साप्ताहिक
शहर सत्ता
RNI TITLE CODE - CHHHIN17596
सोमवार, 09 जून से 15 जून 2025
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 03 में...
साय कैबिनेट का चिंतन शिविर 2.0

पेज 12 में...
जेल जायेंगे तड़ीपार होंगे

वर्ष : 01 अंक : 14 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com
पेज 07 क्या शुभमन गिल एंड टीम रच पाएगी इतिहास...

निगम हमारे अब्बू का...

कटघरे में टेन कैफ़े और जिम का लीज आवंटन

- पूर्व महापौर के इशारे पर करीबियों को मिली लीज
- बाजार विभाग और जोन-4 की गड़बड़ी हुई उजागर
- 30 साल की लीज किसी के नाम चला रहे बेटी-दामाद
- रायपुर निगम ने जानबूझकर नियम-शर्तें किया कमजोर
- आवंटन, निविदा, भाड़ा बताने में अफसरों का छूटा पसीना

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

राजधानी रायपुर के सभी प्राइम लोकेशन में जमीन, मकान और दुकान का मालिक कौन है ? तो इस सवाल का जवाब पिछले 5 सालों में होश सम्हाला एक बच्चा भी बड़ी आसानी से दे देगा। पहले जोगी शासनकाल में फिर भूपेश सरकार में सबसे ज्यादा करीबी रहा ढेबर परिवार आज शहर के चुनिंदा रईसों में शुमार है। इतना सब कुछ होने के बावजूद सुभाष स्टेडियम की दुकान और जिम की 30 साल तक लीज लेने का विवाद पूर्व महापौर एजाज ढेबर की सियासी शख्सियत पर विपरीत प्रभाव डाल रहा है। अपने कार्यकाल में किसी दूसरे के नाम पर महापौर निवास के ठीक बाजू में सुभाष स्टेडियम स्थित 4 दुकानें और जिम आवंटित करवाकर बेटी-दामाद को सौंप दिया। लीज की शर्तें और नियम भी निगम का बाजार विभाग इतना सरल, सुलभ और आसान बनाया है कि लाभ परिवार को मिले।

शहर सत्ता/रायपुर। जोन 4 अंतर्गत महापौर के सरकारी निवास के ठीक बगल में नेता जी सुभाष स्टेडियम है। स्टेडियम की नई बिल्डिंग बनते ही पहले यहां निकाली गई दर्जनभर दुकानों की कीमत और आवंटन को लेकर सवाल उठते रहे। स्टेडियम का जिम और अस्थाई फायर ब्रिगेड ऑफिस तक का आवंटन निजी मुनाफे की भेंट चढ़ गया है। पूर्व महापौर की बेटी-दामाद का यहां कथित तौर पर 10-कैफ़े और जिम चल रहा है। शहर सत्ता ने जब आवंटन शर्तों, नियमों, लीज आवंटन की टेंडर प्रक्रिया समेत लीज की राशि के संबंध में जब पड़ताल की गई तो आवंटन करने वाला बाजार विभाग और जोन क्रमांक-04 के अधिकारी टालमटोल करते रहे। बाजार विभाग की उपायुक्त, जोन-04 के जोन कमिश्नर, निगम मुख्यालय की बाजार शाखा के एआरओ. और आरएसआई से लेकर वर्तमान महापौर मीनल चौबे तक तत्संबंध में अनभिज्ञता जाहिर कर पता लगाकर वक्तव्य देने की बात करते रहे। मजे की बात यह है कि जोन-04 कमिश्नर अरुण ध्रुव का रिकार्डेड बयान है कि लीज या रेंट नहीं बिक्री की गई है। किसे आवंटित किया गया है तो नाम बताने के बदले हेड ऑफिस बाजार विभाग से पूछने की बात कर फोन काट दिए। महापौर मीनल चौबे बोलीं जानकारी नहीं है सोमवार को पतासाजी और पूछताछ करके बताती हूँ। बाजार शाखा के बाकि अधिकारी पहले जानकारी नहीं होने का बोलकर टालमटोल करते रहे फिर सभी ने एक-एक कर जो जवाब दिया वह अपने आप में कई तरह के सवाल खड़े करने वाला था।

लीज की दुकान लेने वाले ये 4 लोग

दुकान नंबर 22 गुफरान कुरैशी, दुकान नंबर 23 गीता नायक, दुकान नंबर 24 लोकेश यादव, दुकान नंबर 25 आशीष यादव के नाम से अलॉट है। लेकिन जानकारी के मुताबिक पूर्व महापौर एजाज ढेबर की बेटी अक्सा और उनके पति शोएब की पजेशन में टेन कैफे और जिम भी है। विभागीय सूत्र बताते हैं कि पूर्व कार्यकाल में यह आवंटन किया गया है और जिनके नाम है दुकानें वो सभी पूर्व महापौर के करीबी हैं। इसमें कितनी सच्चाई है यह निगम के जिम्मेदार अधिकारी सोमवार को ही बता पाएंगे।

लीज की शर्तों में भी कर दिया खेला

जानकारी के मुताबिक चार दुकानों को जिन्हें लीज पर दिया गया है उनके लिए नियम-शर्तों से भी खेला गया है। बताते हैं कि लीज 30 साल की है और लीजकर्ता चाहे तो महज दो साल में ही उसे किसी और को आवंटित कर सकता है। जबकि नियमतयः लीज की सबलीज देना नियम विरुद्ध है। उधारण के लिए किरायेदार कैसे किसी और को माकन किराये पर दे सकता है। लेकिन एक खास को लाभ पहुँचाने के लिए निगम स्तर पर पूर्व कार्यकाल में यह खेला किया गया।

सुलगते सवाल

- क्या दुकान के असली लीजकर्ता सिर्फ प्रेजेंट फेस हैं?
- चारों ने लीज शर्तों से दो महीने पूर्व में दूसरे को दे दी दुकान?
- पहले जो जिम संचालक था उसे किन वजहों से हटा दिया गया?
- क्या चारों दुकान लीज में लेने वालों के पास इतना पैसा है?
- चारों दुकानों को एक साथ लेने वाला या वाली कौन है?
- नियम शर्तों को क्या जानबूझकर शिथिल किसके कहने पर किया गया?
- स्टेडियम में एक दुकान की कीमत 35 से 40 लाख है, टेन कैफे की दर क्या है?

पूर्व कार्यकाल में हुआ आवंटन

जोन कमिश्नर और बाजार विभाग के अधिकारीयों का कहना है यह आवंटन पूर्व महापौर एजाज ढेबर के कार्यकाल का है। मजे की बात यह है कि महापौर मीनल चौबे भी इस पूरे आवंटन से अनजान हैं। जबकि महापौर निवास के ठीक बगल में ही यह सब संचालित हो रहा है। चौंकाने वाली बात यह कि टेन कैफे और जिम का आलीशान ओपनिंग कार्यक्रम में बीजेपी के सांसद, विधायक और नगर निगम के सभी नेताओं ने शिरकत किया था।

जिम्मेदारों के ये हैं बोल

इस आवंटन के संबंध में कोई जानकारी मुझे नहीं है। मैं सोमवार को पूरी जानकारी लेकर सोमवार को आपको बता दूंगी। अगर नियम-शर्तों के विपरीत आवंटन हुआ है तो कार्रवाई जरू होगी।

-मीनल छगन चौबे, महापौर, रायपुर

सुभाष स्टेडियम में संचालित टेन कैफे ना तो किराये में दी गई है और ना ही लीज पर। इसकी बिक्री की गई है। किनको आवंटित की गई है और कितनी राशि में यह जोन-04 स्तर में नहीं हुआ है। इस संबंध में रायपुर नगर निगम हेड ऑफिस से और सारा मामला बाजार शाखा से तय किया गया है। ढेबर परिवार को या किसे आवंटन हुआ है यह भी मेरी जानकारी में नहीं है।

-अरूण ध्रुव, कमिश्नर जोन 4

30 साल की लीज में स्टेडियम की चार दुकान चार लोगों को आवंटित की गई है। टेंडर और नियम प्रक्रिया तथा शर्तों के मुताबिक ही आवंटन हुआ है। ढेबर परिवार को आवंटन नहीं हुआ है। मई 2024 को पूर्व महापौर के कार्यकाल के समय यह आवंटन किया गया है। चारों दुकान को लीज में लेने वालों ने संयुक्त करके टेन कैफे को संचालित करने दिया है।

-मन्कु धीवर, एआरओ, बाजार विभाग

मेरे को जांच कर बताना पड़ेगा 10 कैफे की परमिशन है कि नही। आप जिस दुकान की बात कर रहे है उसे 30 साल की लीज पर दी गई है, जिन्हें पर दी गई है वो उसे किराये में दिए होंगे। नियमों के अनुसार अगर वह व्यक्ति दुकान का उपयोग करता है तो कार्रवाई होगी।

- अंजली शर्मा, अपर आयुक्त, बाजार शाखा, रायपुर नगर निगम

मेरे घर में गमी हो गई है इसलिए फ़िलहाल मैं कुछ बता नहीं पाऊंगा।

-आकाश झा, बाजार शाखा, नगर निगम

नीति निर्माण और सुशासन पर मंथन

साय कैबिनेट का 'चिंतन शिविर 2.0' IIM रायपुर में शुरु

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार के लिए 'चिंतन शिविर 2.0' का आयोजन शुक्रवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) रायपुर में शुरू हुआ। दो दिवसीय इस शिविर का उद्देश्य सुशासन, नीति निर्माण और परिवर्तनकारी नेतृत्व की दिशा में मंत्रियों, विधायकों और सांसदों को प्रशिक्षित करना है।इस शिविर का आयोजन छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा IIM रायपुर के सहयोग से किया गया है। इसमें मुख्यमंत्री साय सहित उनके मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायक और सांसद शामिल हुए।

सुशासन, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण पर संवाद

कार्यक्रम की शुरुआत सुशासन, संस्कृति, सक्षमता और सार्वजनिक वित्त पर केंद्रित सत्रों के साथ हुई। शिविर के उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा,"चिंतन शिविर 2.0 केवल प्रशिक्षण सत्र नहीं बल्कि नीति निर्माण के लिए एक सशक्त मंच है, जो शासन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करता है।"साय ने यह भी कहा कि ऐसे आयोजन नीतियों को धरातल से जोड़ने और दूरदर्शी शासन की अवधारणाओं को मजबूती देने का काम करते हैं।

विशेषज्ञों से मिला मार्गदर्शन

शिविर में देशभर के कई प्रमुख नीति विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने विचार साझा किए। IIM इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने 'परिवर्तनकारी नेतृत्व एवं दूरदर्शी शासन' विषय पर व्याख्यान देते हुए भगवद्गीता के श्लोकों के माध्यम से नैतिक प्रशासन की अवधारणाएं समझाईं। इसके अलावा IIM अहमदाबाद के डॉ. रविंद्र ढोकलिया, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल, वरिष्ठ पत्रकार और विश्लेषक उदय माहुरकर और डिजिटल नीति विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र प्रताप गुप्ता ने विभिन्न सत्रों को संबोधित किया।

कैबिनेट सदस्यों की मौजूदगी और रात्रि विश्राम

साय मंत्रिमंडल के सभी मंत्री, कई विधायक और सांसद शिविर में मौजूद हैं और सभी प्रतिभागी दो दिन IIM रायपुर परिसर में ही रात्रि विश्राम कर रहे हैं। यह दूसरा अवसर है जब रायपुर में साय कैबिनेट का चिंतन शिविर आयोजित किया गया है।

अजीत जोगी की प्रतिमा नहीं लगी तो करेंगे उग्र आंदोलन

अमित जोगी की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी की प्रतिमा को हटाए जाने के विवाद पर जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के अध्यक्ष अमित जोगी ने सरकार को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि यदि एक माह के भीतर गौरेला के ज्योतिपुर चौक पर प्रतिमा पुनः स्थापित नहीं की गई, तो उग्र आंदोलन होगा और यह प्रतिमा रायपुर के मुख्यमंत्री निवास लाकर अनावरण की मांग की जाएगी।

"प्रतिमा हटाना असंवेदनशील कृत्य"

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित जोगी ने आरोप लगाया कि 25 मई की रात कुछ लोगों ने एक स्थानीय अधिकारी के साथ शराब के नशे में अजीत जोगी की प्रतिमा को हाइड्रा मशीन से हटाकर कचरे में फेंक दिया। उन्होंने इसे न केवल एक राजनीतिक नेता के अपमान बल्कि छत्तीसगढ़ की आत्मा को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य बताया।

जमीन है निजी, प्रतिमा का स्थान भी तय था

अमित जोगी ने स्पष्ट किया कि प्रतिमा जिस जमीन पर स्थापित की गई थी, वह जोगी परिवार के आधिपत्य की निजी भूमि है और वहां रेणु जोगी की विधायक निधि से चबूतरे और उद्यान का निर्माण भी हुआ था। उन्होंने कहा, "नगर पालिका का यह कहना कि वहां श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव था, पूरी तरह भ्रामक है। टीकर बाईपास के लिए प्रस्ताव पारित हुआ था, न कि ज्योतिपुर चौक के लिए।"

"प्रतिमा पॉलिटिक्स न करें"

जोगी ने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि "प्रतिमा पॉलिटिक्स" से परे हटकर इस विषय को एथिक्स और सम्मान से देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अजीत जोगी सिर्फ एक नेता नहीं बल्कि हर छत्तीसगढ़वासी के अजीज थे। अमित जोगी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि, "आप स्वयं आदिवासी समाज से हैं, और सरल व संवेदनशील नेता हैं। हम आपसे निवेदन करते हैं कि माटी पुत्रों की प्रतिमा का ससम्मान पुनर्स्थापन कर क्षेत्र की भावनाओं का सम्मान करें।"

"बहुत हुआ निवेदन, अब होगा आंदोलन"

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आगामी एक माह में प्रतिमा नहीं लगाई गई तो पार्टी और क्षेत्रीय जनता उग्र आंदोलन करेगी। "जरूरत पड़ी तो हम जोगी जी की प्रतिमा रायपुर लाकर मुख्यमंत्री निवास पर स्थापित करने की मांग करेंगे," उन्होंने कहा।

अमेरिका तक पहुंची कांकेर की तलपिया

नक्सलगढ़ की मछलियां बनीं ग्लोबल ब्रांड

कांकेर। कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में पहचाना जाने वाला उत्तर बस्तर का कांकेर जिला, अब मत्स्य पालन के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। जिले के दुधावा जलाशय में उत्पादित मछलियां अब अमेरिका जैसे देशों में भी अपनी जगह बना चुकी हैं। खासतौर पर तिलापिया मछली की अंतरराष्ट्रीय बाजार में खासी मांग है।

नील क्रांति और पीएम मत्स्य संपदा योजना का असर

केंद्र सरकार की नील क्रांति योजना और प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत कांकेर में मत्स्य पालन को बढ़ावा मिला है। दुधावा जलाशय में लगभग 240 केज लगाए गए हैं, जिनमें पंगेसियस और तिलापिया मछलियों का पालन हो रहा है। प्रति केज औसतन 4 मीट्रिक टन उत्पादन हो रहा है, जिससे हजारों किलो मछली हर महीने तैयार हो रही है। इन मछलियों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि स्वाद और पोषण दोनों में बेहतरीन होने के चलते यह न केवल छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों में बिक रही हैं, बल्कि अमेरिकी बाजारों में भी तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। स्थानीय फुटकर व्यापारियों से लेकर अंतरराष्ट्रीय खरीदार तक, सभी इन मछलियों की डिमांड कर रहे हैं। दुधावा जलाशय में तैयार मछलियों को इन्सुलेटेड वाहनों के जरिए कोलकाता ले जाया जाता है, जहां प्रोसेसिंग के बाद फिलेट बनाकर अमेरिका भेजा जाता है। वहां के बड़े होटल और रेस्टोरेंट्स में यह मछलियां परोसी जा रही हैं। इस पहल से स्थानीय लोगों को सीधे-प्रत्यक्ष रोजगार मिला है और केज संचालनकर्ताओं को लाखों की आमदनी हो रही है।

खाद की कमी पर कांग्रेस का वार

रायपुर | छत्तीसगढ़ में धान सिर्फ एक फसल नहीं, बल्कि किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार और राज्य की राजनीति का बड़ा मुद्दा है। खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही एक बार फिर खाद की कमी, धान खरीदी और नीलामी को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर खाद की कमी कर रही है ताकि किसानों की पैदावार घटे और सरकार को धान कम खरीदना पड़े। उन्होंने कहा कि पहले सरकार 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदने का दावा करती थी, लेकिन वास्तविकता में केवल 10 से 15 क्विंटल खरीदी की गई। कांग्रेस के विरोध के बाद खरीदी 20 से 21.5 क्विंटल तक पहुंची। अब सरकार खाद की आपूर्ति घटाकर फसल उत्पादन को प्रभावित कर रही है। कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार खुले बाजार में धान नीलाम करने की कोशिश कर रही है, लेकिन 1800-1900 रुपए क्विंटल के भाव पर भी खरीदार नहीं मिल रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अब राइस मिलरों पर दबाव डाल रही है कि वे किसानों से धान लें और उसके बदले उन्हें राशि दी जाए।

साप्ताहिक शहर सत्ता

नक्सल उन्मुलन को मिली सराहना DGP समेत 6 IPS का सम्मान

केंद्रीय गृहमंत्री ने अफसरों को दिल्ली में किया सम्मानित

शहर सत्ता/रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में नक्सल ऑपरेशन को लीड कर रहे अधिकारियों से दिल्ली में मुलाकात की। साथ ही उन्हें सम्मानित किया। इन्हीं अधिकारियों की प्लानिंग की वजह से लगातार फोर्स को बस्तर के अंदरूनी इलाके में मुठभेड़ में कामयाबी मिल रही है। जिन अफसरों को शुक्रवार को शॉल और बुके देकर सम्मानित किया गया, उसमें छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुणदेव गौतम, बीजापुर एसपी जितेंद्र कुमार यादव, बस्तर एसपी शलभ कुमार सिन्हा और बस्तर रेंज के आईजी सुंदर राज पी शामिल है। अमित शाह ने इन अधिकारियों की पीठ थपथपाकर शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही कहा कि वह जल्द ही छत्तीसगढ़ आएंगे। वहां बहादुर जवानों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान सीएम विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद थे। बीजेपी की सरकार बनने के बाद अब तक 400 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। प्रदेश में चल रहे नक्सल ऑपरेशन की जानकारी मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को दी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दिल्ली पहुंचे थे।

साय सरकार में बना रिकार्ड

राज्य सरकार की नई रणनीति और केंद्र के सहयोग से नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत अब तक 205 मुठभेड़ में 427 माओवादी मारे गए। जिनमें नक्सल संगठन के महासचिव बसवा राजू और सेंट्रल कमेटी सदस्य सुधाकर जैसे कुख्यात माओवादी शामिल हैं। 1,428 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जो पिछले पांच साल की तुलना में अधिक है। इसके साथ ही राज्य में 64 नए फॉरवर्ड सुरक्षा कैंपों की स्थापना की गई है। जिससे सुरक्षा नेटवर्क मजबूत हुआ है।

विसंगतिपूर्ण युक्तियुक्तकरण से नाराज सर्व शिक्षक साझा मंच निकालेगा रैली

रायपुर। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया से नाराज सर्व शिक्षक सांझा मंच ने अब आंदोलन का रुख अख्तियार करने का निर्णय लिया है। राजधानी रायपुर में सर्व शिक्षक साझा मंच के पदाधिकारियों ने प्रेस कांफ्रेस कर यह जानकारी दी है। छग शालेय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र दुबे ने कहा कि अब पोल खोल रैली निकालने के अलावा हमारे आमने और कोई रास्ता नहीं बचा है। दुबे ने आंदोलन को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि 10 जून को जिला स्तरीय पोल खोल रैली व कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेगे। 13 जून को संभागीय पोल खोल रैली व जे डी को ज्ञापन सौंपेगे। 16 जून से शाला प्रवेशोत्सव का बहिष्कार का निर्णय भी हमने लिया है। वीरेंद्र दुबे ने कहा कि राज्य में वर्तमान में चल रही युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के तहत, किसी भी शिक्षक संगठन द्वारा राज्य के एकल शिक्षकीय और शिक्षक विहीन स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने वाली कार्यवाही का विरोध नहीं किया जा रहा है। हमारा विरोध युक्तियुक्तकरण के निर्देशों और प्रक्रिया में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिए है, ताकि राज्य की शिक्षा व्यवस्था, शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षकों के हितों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को रोका जा सके। उन्होंने साफ कहा कि हमारी चिंताएं और समस्याएं सरकार और जनता तक पहुंचाई जा रही हैं, ताकि सरकार त्वरित संज्ञान ले और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े सभी पक्षों से बातचीत कर समस्या का सर्वसम्मत समाधान निकाले। अगस्त-सितंबर 2024 में भी युक्तियुक्तकरण के निर्देश और समय सारिणी जारी की गई थी, जिसकी व्यापक आलोचना के साथ विरोध भी हुआ था। प्रक्रिया और उससे संबंधित निर्देशों की विसंगतियों, समस्याओं और निराकरण हेतु सुझाव सरकार और शासन को दिए गए थे।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सुविधा योजना के तहत 100 ग्रामीण सड़कों पर बस सेवा होगी शुरू

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के कम यात्री परिवहन सुविधा वाले दूरस्थ अंचल के लोगों को सस्ता और सुलभ परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सुविधा योजना शुरू की जाएगी। इसके अंर्तगत पहले साल करीब 100 ग्रामीण सड़कों पर बस सेवा शुरू की जाएगी।

इस योजना को सफल बनाने और बस संचालकों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार उन्हें प्रति किलोमीटर 26 रुपए की सब्सिडी प्रदान करेगी। इस योजना को शुरू करने के लिए 25 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। बताया गया है कि इस योजना के तहत 18 से 42 सीटर हल्के और मध्यम वाहनों को लाइसेंस जारी किया जाएगा। नई सड़कों के चिन्हांकन के लिए राज्य एवं जिला स्तर पर समिति का गठन किया गया है। बस चलाने वालों का चयन टेंडर प्रक्रिया से किया जाएगा। इस योजना के तहत वाहन मालिकों को ग्रामीण सड़कों पर वाहन चलाने के लिए प्रथम परमिट तीन साल अधिकतम अवधि के लिए मासिक टैक्स में पूर्णतः छूट दी जाएगी।

बस्तर में 55 तो सरगुजा में बस चलाने 16 नए मार्ग चिन्हित

हाल ही में राज्य स्तरीय समिति की बैठक परिवहन सचिव एवं आयुक्त एस.प्रकाश की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान प्रदेश के सुदुर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सुलभ परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा हुई। बस्तर में 55 तो सरगुजा में बस चलाने के लिए 16 नए मार्गों का प्रस्ताव आया है।

पूर्व कांग्रेस नेता अरविंद नेताम बने आरएसएस के मुख्य अतिथि

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को समाजसेवी और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम से मुलाकात की। नेताम को हाल ही में संघ मुख्यालय के प्रतिष्ठित आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, जिसे मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लिए गौरव की बात कही। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि, ऐसे आयोजन समाजों को और अधिक नजदीक लाने में सहायक होते हैं और जन-जागरूकता के साथ-साथ सामाजिक एकता को भी प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि, नेताम ने अपने उद्बोधन में मतांतरण, विकास, पर्यावरण आदि जैसे जन सरोकारों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विमर्श किया, जो समाज के लिए अत्यंत लाभकारी है। इस अवसर पर डॉ. प्रीति नेताम और समाज के युवा नेता विनोद नागवंशी भी मौजूद रहे। दरअसल, नागपुर में संघ कार्यालय से लौटने के बाद अरविंद नेताम ने शनिवार को रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने RSS प्रमुख मोहन भागवत को कार्यक्रम में आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया। संघ की कार्यशैली की सराहना की। नेताम ने बताया कि, पहले संघ

आदिवासियों को 'वनवासी' कहता था, जिसका उन्होंने विरोध किया। अब संघ 'आदिवासी' शब्द का उपयोग करने लगा है। उल्लेखनीय है कि, अरविंद नेताम ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यक्रम में कहा था कि, नक्सलवाद और मतांतरण जैसी समस्याओं का समाधान संघ और समाज के सामूहिक प्रयास से ही संभव है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा नक्सलवाद पर की गई कार्यवाही की सराहना की, साथ ही कहा कि, इसे जड़ से समाप्त करने की जरूरत है।

1980 से अधर में लटकी थी बोधघाट सिंचाई परियोजना, 0 नक्सली खौफ से रुकी हुई थी 49000 करोड़ की परियोजना

बोधघाट परियोजना अब लेगी आकार, मिलेगा बिजली, सिंचाई का लाभ

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के लिए एक बड़ी खबर है। 1980 से अधर में लटकी बोधघाट सिंचाई परियोजना का काम जल्द ही प्रारंभ हो जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात में इस पर मुहर लग गई है। मुख्यमंत्री कल देर शाम प्रधानमंत्री से मिले थे। ऐसा पता चला है कि पीएम मोदी बस्तर के साथ ही छत्तीसगढ़ के विकास के लिए इस प्रोजेक्ट को अपने स्तर पर मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सिंचाई मंत्री के सामने इसका प्रेजेटेशन दिया जाए। छत्तीसगढ़ सरकार ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

सिंचाई के साथ बिजली उत्पादन

बोधघाट परियोजना का आगाज 1980 में हुआ था। मगर नक्सलवाद के उभार की वजह से काम चालू होने से पहले ही इस परियोजना ने दम तोड़ दिया था। 49000 करोड़ की इस परियोजना से दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर के साथ कांकेर, नारायणपुर, राजनांदगांव, कवर्धा और मुंगेली तक सिंचाई होगी। वहीं कोरबा के बांगो की तरह बोधघाट परियोजना से सिंचाई तो होगी, वहां हाइड्रो पावर का

उत्पादन भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मीडिया को बताया कि बोधघाट परियोजना से सिंचाई के साथ ही बिजली का उत्पादन किया जाएगा। इस हाइड्रो पावर प्लांट से करीब 125 मेगावॉट बिजली का प्रोक्शन किया जाएगा।

7 हजार हेक्टेयर सिंचित

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को बताया कि प्रधानमंत्री से कल छत्तीसगढ़ से जुड़े दो अहम मसलों पर बात हुई। इसमें बोधघाट के अलावा रिवर लिंकिंग के बारे में। उन्होने बताया कि बोधघाट और रिवर लिंकंग से करीब सात लाख हेक्टेयर एरिया में सिंचाई होगी। इसके अलावे चार लाख टन मत्स्य भी मिलेगा।

छत्तीसगढ़ के लिए वरदान

45 साल से अटकी यह महत्वाकांक्षी परियोजना बस्तर के साथ ही आधे छत्तीसगढ़ के लिए लाइफ लाइन होगी। महानदी से इसे जोड़ने की वजह से राजनांदगांव, कवर्धा और मुंगेली इलाकों तक इसका पानी पहुंचाया जा सकेगा। बता दें, बोधघाट के बाद आंध्रप्रदेश के पोलावरम परियोजना शुरू हुई और वह बनकर तैयार हो गई किंतु बोधघाट वहीं का वहीं रह गया।

संपादकीय

सुकांत राजपूत

हत्यारा कौन ?

हिंकिसी ने बजा फ़रमाया है कि "लोकतंत्र में व्यवस्था देना सरकार का काम है। कार्यपालिका इसलिए जनता का पैसा लेती है, ताकि उनको सुरक्षा और सम्मान दे। बेंगलुरु भगदड़ मामले ने हमें एक बार फिर से भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था की अहमियत से अवगत कराया है। बड़े आयोजनों में जिम्मेदारी केवल आयोजकों की ही नहीं होती, बल्कि प्रशासन, पुलिस और संबंधित अधिकारी भी सुरक्षा के लिए पूरी तरह सतर्क और तैयार रहना चाहिए। जल्दबाजी में अनुमति देना और सुरक्षा का अभाव न केवल मानवीय जीवन के लिए खतरा है, बल्कि समाज में अस्थिरता भी ला सकता है।

खुशियों के बीच जश्न मनाते काल के ग्रास बने उन 11 बदनसीबों का लौटना नामुमकिन है और परिवार का रिक्त स्थान भी भरना संभव नहीं है। राजनीतिक दलों ने भी इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा सहित कई विपक्षी पार्टियों ने मुख्यमंत्री और डिप्टी मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की है। उनका आरोप है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह नाकाफी थी और प्रशासन की बड़ी लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। वहीं सरकार ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया है, ताकि प्रभावित परिवारों को आर्थिक मदद मिल सके।

इस दर्दनाक आयोजन ने ऐसे कई यक्ष प्रश्न भी खड़े किये हैं जिनके जवाब जांच रिपोर्ट में आने चाहिए। क्या आयोजन के लिए पुलिस को समय पर सूचना दी गई थी? क्या सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे? टीम मैनेजमेंट और आयोजकों की भूमिका क्या थी? पुलिस या प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण के लिए क्या कदम उठाए? जांच कमेटी की रिपोर्ट कब आएगी और क्या इसमें पारदर्शिता रहेगी? इस चूक भरे आयोजन में जान गंवाने वालों का आखिर हत्यारा कौन है?सस्ती सियासत, मामूली लोकप्रियता और बदइंतजामी की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

आयोजन से करोड़ों रूपये बटोरने वाले सभी जिम्मेदारों को बिना किसी भेदभाव के आरोपी बनाना होगा। बेंगलुरु भगदड़ मामले ने हमें एक बार फिर से भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था की अहमियत से अवगत कराया है। बड़े आयोजनों में जिम्मेदारी केवल आयोजकों की ही नहीं होती, बल्कि प्रशासन, पुलिस और संबंधित अधिकारी भी सुरक्षा के लिए पूरी तरह सतर्क और तैयार रहना चाहिए। जल्दबाजी में अनुमति देना और सुरक्षा का अभाव न केवल मानवीय जीवन के लिए खतरा है, बल्कि समाज में अस्थिरता भी ला सकता है। इसलिए अब जरूरत है कड़े कानूनों, स्पष्ट नियमों और कड़े सुरक्षा मानकों की ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। बेटे की कब्र से लिपट गया पिता:बोला- मुझे यहीं रहना है। कमोबेश यही आलम उन 10 मृतकों के परिजनों का है।

अटल पेंशन योजना-आर्थिक सुरक्षा एवं सम्मान

चित्रा जयसिम्हा

वृद्धावस्था किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होता है और दुनिया भर की सरकारें अपने लोगों के लिए जीवन के इस चरण को अधिक स्थिर, सम्मानजनक, तनाव मुक्त और आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रही हैं। जनसंख्या के अनुमानों से संबंधित तकनीकी समूह की रिपोर्ट (जुलाई 2020) के अनुसार, भारत में बुजुर्गों की आबादी 2031 तक 19 करोड़ से अधिक हो जाने की उम्मीद है। यह आबादी उस समय की भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा होगी। वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या में यह नाटकीय प्रत्याशित वृद्धि इन वृद्धों की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देने की तात्कालिक आवश्यकता को रेखांकित करती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा 9 मई 2015 को अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की शुरुआत की गई और भारत के असंगठित क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करते हुए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली का निर्माण किया गया। यह योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के बीच बुढ़ापे की उम्र में पेश आने वाले जोखिमों को दूर करने में मदद करती है और श्रमिकों को स्वैच्छिक रूप से अपनी सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने हेतु प्रेरित करती है।एपीवाई एक ऐसी स्वैच्छिक व आवधिक अंशदान-आधारित पेंशन प्रणाली है, जिसके तहत ग्राहक को उनके द्वारा किए गए अंशदान के आधार पर हर महीने 1000 रुपये, 2000 रुपये, 3000 रुपये, 4000 रुपये या 5000 रुपये की न्यूनतम गारंटीकृत पेंशन मिलेगी।

इस पहल का महत्व तब और भी बढ़ जाता है जब हम यह देखते हैं कि कुल रोजगार में अनौपचारिक क्षेत्र के कामगारों की हिस्सेदारी लगभग 85 प्रतिशत है। इस क्षेत्र में काम करने वाले या काम कर चुके बुजुर्गों की अधिकांश आबादी की रहन-सहन की स्थितियां गंभीर नीतिगत चिंता का विषय हैं। वर्ष 2031 तक बुजुर्गों की आबादी 20 प्रतिशत होने की उम्मीद है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उस समय तक एक औसत भारतीय की जीवन प्रत्याशा 75 वर्ष की होगी, अटल पेंशन योजना निश्चित रूप से बुजुर्गों के लिए एक आकर्षक विकल्प है। कई विशेषज्ञों ने इस पेंशन योजना को सही ही "राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) का एक विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया मॉडल" बताया है, जो एनपीएस को समाज के आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के लिए सुलभ बनाता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एपीवाई का जन्म एक ही उद्देश्य - वंचितों को पेंशन क्षेत्र के दायरे में लाने – के लिए हुआ था। कुछ पुरानी योजनाओं में, पेंशन की राशि गरीब बुजुर्गों के लिए बहुत ही कम है। इसी तरह, तुलनीय योजनाओं के लिए, कवरेज से संबंधित सीमाएं एक बड़ी बाधा हैं। उदाहरण के लिए, ईपीएस केवल उन्हीं संगठनों पर लागू होता है जो कम से कम 20 व्यक्तियों को रोजगार देते हैं और अधिकांश रूप से संगठित क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करते हैं। इस आलोक में, एपीवाई न केवल आर्थिक रूप से कमजोर आबादी के एक बड़े हिस्से को अपने दायरे में लाता है, बल्कि यह 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में एनपीएस व मनरेगा जैसी भारत सरकार की अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और इसी तरह की अन्य योजनाओं का पूरक भी है। नारी शक्ति के दृष्टिकोण को मजबूत करने के उद्देश्य से लैस इस योजना में महिलाओं की भारी भागीदारी देखी गई है। 31 मार्च, 2025 तक इस योजना के कुल ग्राहकों में महिलाओं की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत से अधिक है। अनौपचारिक क्षेत्र पर जोर देने के साथ, एपीवाई स्वाभाविक रूप से उन प्रमुख समूहों को लाभ पहुंचाता है, जिन्हें अक्सर "चार प्रमुख जातियों" के रूप में निरुपित किया जाता है। इनमें गरीब और महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा, वृद्धावस्था पेंशन का संबंध केवल पैसे से ही नहीं है। इसका एक गहरा महत्व है। गरीबों और महिलाओं को इसके जरिए जो मानसिक शांति और सम्मान मिलता है, वह बेहद संतोषजनक है। 31 मार्च 2025 तक, एपीवाई के तहत ग्राहकों की कुल संख्या 7.6 करोड़ है और प्रबंधन के तहत परिसंपत्ति (एयूएम) 44,781 करोड़ रुपये की है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान, इसमें 1.17 करोड़ ग्राहक और 8250 करोड़ रुपये का एयूएम जुड़ गया है, जिससे इसके ग्राहक आधार में 15.4 प्रतिशत और एयूएम के विकास में 22.5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है।

एपीवाई के तहत कुल सकल नामांकन के मामले में शीर्ष पांच राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु हैं। इसलिए, एपीवाई का लक्ष्य भारत के क्षेत्रीय रूप से वंचित लोगों के वित्तीय समावेशन को कार्यान्वित करना है ताकि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के प्रमुख नीतिगत लक्ष्य को हासिल किया जा सके। वर्ष 2035 एक ऐतिहासिक वर्ष होगा। यह वह वर्ष होगा जब बहुप्रतीक्षित अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के ग्राहकों को मासिक पेंशन की पहली किश्त मिलनी शुरू हो जाएगी। अटल पेंशन योजना के जरिए, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत मुख्य रूप से स्व-नियोजित, अनियमित (कैजुअल), गिग, प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों के लिए पेंशन कवरेज सुनिश्चित की जाती है। हालांकि भविष्य में जीवन प्रत्याशा और मुद्रास्फीति-सूचकांक में होने वाली वृद्धि को देखते हुए, दीर्घकालिक अवधि में वृद्धावस्था में आय संबंधी सुरक्षा प्रदान करने की दृष्टि से मौजूदा व्यवस्थाओं की पर्याप्तता एक चुनौती होगी। हालांकि, कुल मिलाकर अटल पेंशन योजना आम जनता के लाभ के लिए वित्तीय एवं सामाजिक, दोनों ही मानदंडों पर एक सुविचारित योजना है। एपीवाई बुजुर्गों के लिए उनके बुढ़ापे में एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में बेहद अहम साबित होगी।

अभिनय नहीं करें, अपनी आत्मा तक पहुंचे

हममें से अधिकांश लोग अभिनय ही करते हैं। अपने पद, पहचान, रिश्ते निभाने तक- सब में। और जब तक हम अभिनय कर रहे हों, अपनी आत्मा तक नहीं पहुंच सकते, क्योंकि उसके लिए अभिनय से बाहर आना पड़ता है। ये गहरी बात आसानी से यूं समझ में आएगी कि शिव जी, पार्वती जी को रामकथा सुना रहे थे। और जब प्रसंग पूरे हो रहे थे तो पार्वती जी ने धन्यवाद-प्रस्ताव में एक टिप्पणी करी- हरिचरित्र मानस तुम्ह गावा। सुनि मैं नाथ अमिति सुख पावा।। आपने श्रीरामचरितमानस का जो गान किया, उसे सुनकर मैंने अपार सुख पाया। जब भी हम ईश्वर की कथा सुनते हैं, उसमें जो प्रसंग होते हैं, घटनाएं जो हमें संदेश दे रही होती हैं, यदि हम उन्हें सुनें और जीवन में उतारें, तो अपनी आत्मा की ओर आसानी से चल सकेंगे। इसलिए जब भी समय मिले, कथा सुनते रहें। और प्रयास करें कि जो हम मूल रूप से हैं, उस कथा के माध्यम से अपनी उस आत्मा तक पहुंचें और अभिनय से बाहर निकलें।

मनुष्य को कर्म नहीं भटकाते, कर्म करने का दबाव परेशान नहीं करता, उसे कर्त्ताभाव परेशान करता है। कर्म करने और कर्त्ताभाव में अंतर है। कर्त्ताभाव का अर्थ है मैं यह काम कर रहा हूं। ये जो मैं है, यही परेशानी का कारण है। ये सही है कि हम ही कर रहे हैं, पर कर्त्ताभाव के अभाव का अर्थ है कोई एक परम शक्ति है, जो हम से करा रही है, तो हम कर रहे हैं। आजकल हमारे जीवन में सहज ही डिजिटल मीडिया के कारण कई वैद्य-डॉक्टरों की भरमार हो गई है। स्वास्थ्य को लेकर जानकारियों की झड़ी लगी हुई है और हम सब भी कुछ न कुछ करने के लिए इस सबमें उतर जाते हैं। झूठे आश्वासन, अतार्किक चिकित्सा, अंधविश्वास से भरी धार्मिक कथाओं, फिजूल के किस्सों आदि के लपेटे में न आएं। ये अप्रत्याशित समाधान जो सोशल मीडिया से पेश किए जा रहे हैं, इनके प्रति अतिरिक्त सावधान रहें। परमात्मा पर जितना भरोसा होगा, उतनी सावधानी जीवन में आ जाएगी और संसार से उतने ही धोखे कम मिलेंगे।

कोंदा-भैरा के गोठ

-खुद के घर ह भले अज्ञान के अँधरौटी म कुलुप तोपाय राहय फेर लोगन दूसर जगा ज्ञान के अँजोर बगराय म कमी नइ करय जी भैरा.

-सही कहे जी कोंदा.. फोकटइहा छाप अक्कल बाँटे म लोगन ल विशेषता मिले हे.. अब ए मुसलमान मन के कुर्बानी वाले परब बकरीद ल ही देख लेना.. ए परब ह जिहाँ लकठाथे तहाँ ले आने धरम-पंथ के पशुप्रेमी मन के बयान ह सोशलमीडिया के संगे-संग टीवी पेपर सबो म दिखे लगथे.

-सही आय जी.. जबकि इँकर मन के खुद के देव-ठिकाना मन म पूजवन अउ बलि के पुरखौती परंपरा के नॉव म सैकड़ों जीव ल भेंट कर दिए जाथे.

-अतकेच नहीं संगी.. कभू पहिलाँवत लइका के नॉव म त कभू जेठ बेटा के बरात निकाले के नॉव म.. कुछू भी ओढ़र कर के पूजवन के परंपरा ल पोंसत पोटारे बइठे हें, फेर ए सब बर उँकर मुँह ले बक्का नइ फूटय.. बस आने के परंपरा म ही खोट दिखथे.

-तोर कहना वाजिब हे संगी.. चाहे कोनो भी धरम-पंथ या समाज के बात होय फेर मोला ए पूजवन के परंपरा ह एको नइ सुहाय न तर्क संगत जनावय.

-कहाँ ले जनाही जी.. कोनो भी देवी देवता ह जीवहत्या के रद्दा ल न तो स्वीकार करय न प्रोत्साहित करय.

अहंकार नहीं, विनम्रता बनाती है श्रेष्ठ

देवराज इंद्र और लोमश ऋषि की एक पौराणिक कथा है। इस कथा में बताया गया है कि जब इंद्र को अहंकार हो गया तो लोमश ऋषि ने कैसे इंद्र का अहंकार दूर किया था।

कथा के मुताबिक, एक बार इंद्र ने अपने लिए एक अद्भुत महल बनवाया। ये महल इसलिए भी खास था, क्योंकि इसे देवताओं के शिल्पकार विश्वकर्मा ने तैयार किया था। इंद्र इस निर्माण से इतने प्रभावित हुए कि वे सभी देवताओं को बुलाकर अपना महल दिखाने लगे। इंद्र अपने महल की प्रशंसा करने लगे, ये सिलसिला ऐसा चला कि इंद्र के मन में श्रेष्ठता का भाव अहंकार में बदल गया। इंद्र ने देवर्षि नारद को बुलाकर पूछा कि क्या आपने इससे सुंदर महल कभी देखा है?

नारद मुस्कुराए और बोले कि मेरी जानकारी सीमित हो सकती है। आप ऋषि

लोमश से पूछें जो एक हजार वर्षों से भी ज्यादा समय से जीवित हैं। नारद जी की बात मानकर इंद्र ने लोमश ऋषि को अपना महल दिखाने के लिए बुला लिया। ऋषि लोमश को महल दिखाते हुए इंद्र ने वही सवाल दोहराया कि क्या आपने इससे सुंदर महल कभी देखा है?

लोमश ऋषि ने शांति से उत्तर दिया कि मैंने अपने जीवन में असंख्य इंद्र देखे हैं। एक से बढ़कर एक महलों का वैभव देखा है, लेकिन आज वे सब इतिहास हो चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि तुम जिस महल पर गर्व कर रहे हो, वह भी समय के साथ मिट्टी में मिल जाएगा। यही संसार का नियम है, जो आया है, वह जाएगा। ये सोच कि तुम सर्वोत्तम हो, अहंकार है और अहंकार ही पतन की पहली सीढ़ी है। लोमश ऋषि की बात सुनकर इंद्र को अपनी गलती समझ आ गई।

कहानी हमें जीवन प्रबंधन के 5 सूत्र बताती है...

1. उपलब्धि पर गर्व करें, लेकिन अहंकार न करें
2. हर निर्माण एक दिन खत्म हो जाएगा
3. तुलना से प्रेरणा लें, लेकिन दूसरों को कमजोर न समझें
4. समय से बड़ा कोई नहीं
5. सीखना बंद नहीं होना चाहिए, जैसे ऋषि ने इंद्र को सिखाया

साप्ताहिक शहर सत्ता

11 सालों में 27 करोड़ लोग गरीबी से निकले

भारत के लिए वर्ल्ड बैंक ने जारी की नई रिपोर्ट

नई दिल्ली। वर्ल्ड बैंक के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में भारत ने पिछले दशक में अपनी अत्यधिक गरीबी दर को कम करने में प्रगति की है. देश में अत्यधिक गरीबी दर 2011-12 में 27.1 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 5.3 प्रतिशत दर्ज की गई है.

भारत में 2011-12 के दौरान कुल 344.47 मिलियन लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जो कि 2022-23 के दौरान घटकर लगभग 75.24 मिलियन लोग रह गए हैं. विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में लगभग 11 वर्षों में 269 मिलियन व्यक्तियों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया. उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश पांच राज्यों में 2011-12 के दौरान भारत के 65 प्रतिशत अत्यंत गरीब लोग रहते थे. वहीं, इन राज्यों ने 2022-23 तक अत्यधिक गरीबी में होने वाली कुल गिरावट में दो-तिहाई योगदान दिया.

गरीबी मापने का पैमाना क्या था?

विश्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि पूर्ण रूप से, अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 344.47 मिलियन से घटकर केवल 75.24 मिलियन रह गई है. इसका आकलन तीन डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा (2021 की कीमतों का उपयोग कर) पर आधारित है, जो कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में व्यापक कमी दर्शाता है. विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, 2.15 डॉलर प्रतिदिन की खपत पर (2017 की कीमतों पर आधारित पिछली गरीबी रेखा) अत्यधिक गरीबी में रहने वाले भारतीयों की हिस्सेदारी 2.3 प्रतिशत है, जो 2011-12 में दर्ज 16.2 प्रतिशत से काफी कम है. नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 2022 में 2.15 डॉलर प्रतिदिन की गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या 33.66 मिलियन दर्ज की गई है, जो 2011 में 205.93 मिलियन दर्ज की गई थी.

गांवों और शहरों में कम हुई गरीबी

आंकड़ों से यह भी पता चला कि यह तीव्र गिरावट समान रूप से देखी गई, जिसमें ग्रामीण अत्यधिक गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत हो गई और शहरी अत्यधिक गरीबी पिछले 11 वर्षों में 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत हो गई. इसके अलावा, भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी शानदार प्रगति की है. आंकड़ों के अनुसार, बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 तक 16.4 प्रतिशत हो गया और 2022-23 में और अधिक घटकर 15.5 प्रतिशत हो गया.

11 सालों में गरीबी हटाने पर दिया गया ध्यान

केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों, इंफ्रास्ट्रक्चर और समावेशन पर फोकस को अहम बताया. पीएम आवास योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, जन धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को बढ़ाया है. प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), और अंतिम छोर तक लाभों की तेजी से डिलीवरी सुनिश्चित की है, जिससे 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से उबरने में मदद मिली है.

ऑपरेशन सिंदूर को एक माह पूर्ण, घाटी में सामान्य हुए हालात, लोग बोले- अब शांति है

जम्मू। 'ऑपरेशन सिंदूर के एक महीने बाद जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य होने लगे हैं। सांबा जिले के निवासियों ने भारतीय सेना पर पूरा भरोसा जताया और कहा कि अब शांति है। लोग अपने काम पर लौट आए हैं। सीमा से 2 किलोमीटर दूर रहने वाले एक निवासी ने बताया कि पहले ड्रोन हमलों और गोलीबारी के कारण भारी नुकसान हुआ था, लेकिन अब स्थिति शांत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई सीमा बटालियनों की घोषणा की है, जिससे लोगों को राहत मिलेगी। निवासियों ने मांग रखी कि भविष्य में बंकरों की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए।स्थानीय लोगों ने भारतीय सेना और बीएसएफ की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सभी ड्रोन हवा में ही नष्ट कर दिए गए, जिसके बाद लोग खेतों में काम करने लगे हैं और डर का माहौल खत्म हो गया है। सीमा से 3 किलोमीटर दूर रहने वाले एक अन्य निवासी ने कहा कि अब विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। लोग बिना भय के अपने दैनिक काम कर रहे हैं। एक अन्य व्यक्ति ने आतंकवादियों के लॉन्च पैड को पूरी तरह नष्ट करने की जरूरत पर जोर दिया।

क्षतिग्रस्त घरों के लिए 2 लाख का मुआवजा

पीएम मोदी ने रियासी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। हमने आतंकवादियों को सैकड़ों किलोमीटर अंदर तक सबक सिखाया। आत्मनिर्भर भारत की ताकत और सेना के 'मेक इन इंडिया' की सराहना की। पीएम ने सीमा पर गोलीबारी से प्रभावित परिवारों के लिए वित्तीय सहायता की भी घोषणा की, जिसमें पूरी तरह क्षतिग्रस्त घरों के लिए 2 लाख रुपये और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों के लिए 1 लाख रुपये का मुआवजा शामिल है।

भारत की कूटनीतिक जीत, पाक की मलेशिया में हुई किरकीरी

नई दिल्ली। एक बार फिर पाकिस्तान की साजिश बेनकाब हो गई है, और इस बार उसे मलेशिया में शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है. भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की मलेशिया यात्रा को रोकने के लिए पाकिस्तान ने हर मुमकिन कोशिश की, लेकिन मलेशिया ने उसकी 'धार्मिक एकता' की दुहाई को सिरे से खारिज कर दिया और भारत के पक्ष में मजबूती से खड़ा रहा. भारत के पहलगाम आतंकी हमले के बाद जहां देश आतंकवाद के खिलाफ नई रणनीति के तहत दुनिया को जागरूक कर रहा है, वहीं पाकिस्तान अपने दाग धोने के लिए धार्मिक और राजनीतिक कार्ड खेलने पर उतर आया है. मलेशिया में भारत के सांसदों की उपस्थिति को लेकर पाकिस्तानी दूतावास ने कहा कि मलेशिया एक मुस्लिम देश है और उसे भारत के प्रतिनिधिमंडल को मंच नहीं देना चाहिए. लेकिन मलेशिया ने पाकिस्तान की इस मानसिकता पर तीखा जवाब देते हुए साफ कर दिया कि उनकी विदेश नीति तटस्थ और संतुलित है — न कि धर्म आधारित. भारतीय प्रतिनिधिमंडल के 10 से अधिक कार्यक्रम पहले से तय थे और मलेशिया

मेइती नेता की गिरफ्तारी मणिपुर में बिगड़े हालत

इंफाल। मणिपुर में मेइती संगठन के नेता अरम्बाई तेंगोल की गिरफ्तारी को लेकर हिंसक विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद रविवार (8 जून) को भी स्थिति तनावपूर्ण बनी रही और प्रशासन ने इंफाल घाटी के पांच जिलों में निषेधाज्ञा लागू कर दी और इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दीं. पुलिस ने यह जानकारी दी.इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्वी, थौबल, बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों में एहतियातन निषेधाज्ञा लागू की गई है और इन घाटी क्षेत्रों में वीसैट और वीपीएन सुविधाओं सहित इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं.प्रदर्शनकारियों ने नेता की रिहाई की मांग करते हुए क्वाकीथेल और उरीपोक में सड़क के बीचों-बीच टायर और पुराना फर्नीचर जलाया. मणिपुर की राजधानी में अलग-अलग जगहों पर प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच 7 जून की रात झड़प हुई. गुस्साई भीड़ ने इंफाल पूर्वी जिले के खुरई लामलोंग में एक बस में आग लगा दी. मेइती नेता की गिरफ्तार के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है.

भारत-पाकिस्तान के बाद एशिया के इन दो देशों के बीच छिड़ सकती है जंग

नई दिल्ली। थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर 28 मई 2025 को एक झड़प हुई, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई. यह घटना उस विवादित क्षेत्र में हुई जहां आज तक कोई स्पष्ट सीमा-रेखा निर्धारित नहीं हुई है. इसके बाद से दोनों देशों की सेनाओं ने सीमा पर तैनाती बढ़ा दी है. थाईलैंड के उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री फुमथम वेचायाचाई ने आरोप लगाया कि कंबोडिया ने द्विपक्षीय वार्ता में शांति प्रस्तावों को खारिज किया और जानबूझकर तनाव को बढ़ाया. भारत-पाकिस्तान के हालिया तनाव के बाद अब एशिया के इन दो देशों के बीच युद्ध होने के आसार दिख रहे हैं. थाई सेना ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कंबोडियाई सैनिक और नागरिक बार-बार थाई क्षेत्र में घुसपैठ कर रहे हैं. थाईलैंड ने घोषणा की कि वह सभी सीमा चौकियों पर पूर्ण नियंत्रण रखेगा और "उच्च-स्तरीय सैन्य अभियान" के लिए तैयार है. थाई सरकार की ओर से यह बयान उनकी संप्रभुता की रक्षा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, लेकिन इससे यह भी संकेत मिलता है कि सीमा पर सैन्य कार्रवाई किसी भी समय तेज हो सकती है.

बकरीद पर मवेशियों की अवैध कुर्बानी, 16 पकड़ाए

लखीपुर। असम में ईद-उल-अजहा या बकरीद के दौरान मवेशियों के अवैध वध करने के आरोप में असम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि राज्य में एक दिन पहले ईद-उल-अजहा या बकरीद के दौरान मवेशियों का अवैध रूप से कुर्बानी करने के आरोप में 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया. मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट कर इसकी जानकारी साझा की. उन्होंने कहा कि राज्य के बराक घाटी के दो जिलों- कछार में गुमरा, सिलचर, लखीपुर और करीमगंज में बदरपुर और बंगा में पांच अवैध कुर्बानी स्थल पाए गए. "हमारा संविधान धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है, लेकिन यह कानून के शासन और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की बात भी समान रूप से करता है. इस ईद-उल-अजहा पर असम में कई स्थानों से मवेशियों के अवैध वध और उनके अंगों के मिलने की व्यथित करने वाली घटनाएं सामने आईं."

मानसून पर लगा ब्रेक! उत्तरभारत में हीट वेव

पश्चिमी तट से चल रही शुष्क हवाओं के कारण 29 मई के बाद थम गई मानसून की रफ्तार

नई दिल्ली। 16 सालों के बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून ने इस साल केरल के तट पर समय से पहले दस्तक दी थी, लेकिन कुछ ही दिनों के बाद मानसून की रफ्तार पर ब्रेक लग गया. देशभर में 29 मई से मानसून की रफ्तार थम सी गई है, जिसका मुख्य कारण पश्चिमी तट से चल रही शुष्क हवाओं को कहा जा रहा हैं.हालांकि, राहत की उम्मीद अभी भी बाकी है. मौसम एक्सपर्ट्स ने कहा कि मध्य जून में मानसून एक बार से रफ्तार पकड़ सकती है और भारी बारिश होने की भी संभावना है. इसके कारण आने वाले कुछ दिनों में मध्य और पूर्वी भारतीय इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई जा रही है.

भारतीय मौसम विभाग ने बारिश की जताई संभावना

भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने संभावना जताई है कि 12 से 18 जून के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून मध्य और पूर्वी भारत के ज्यादातर हिस्सों में पहुंच जाएगा. मौसम विभाग ने कहा कि 29

मई से मानसून की जो रफ्तार धीमी हो गई है, वह पश्चिम और उत्तर-पश्चिमी भारत से आ रही शुष्क हवाओं के कारण से हुई है.

1 से 6 जून के बीच मात्र 19 मिमी हुई बारिश

मौसम विभाग ने कहा कि इस शुष्क मौसम ने भारतीय उपमहाद्वीप के ज्यादातर हिस्सों पर प्रभावित किया है और मानसून की रफ्तार पर भी असर पड़ा है. IMD के आंकड़ों के मुताबिक, 1 से 6 जून के बीच मात्र 19 मिलीमीटर ही बारिश हुई, जो लंबे टाइम पीरियड के औसत का मात्र 3.4 प्रतिशत है. मानसून की गति मुंबई के ऊपर 26 मई से और सिक्किम और सब-हिमालयन रेंज के पश्चिम बंगाल में 29 मई से स्थिर हो गई है.

IMD ने बारिश होने के साथ लू चलने की भी दी चेतावनी

हालांकि, मौसम विभाग के एक्सपर्ट्स का कहना है कि बारिश में गति में एक बार फिर से तेजी आएगी. भारत के उत्तर-पूर्व राज्यों में 9 जून से और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत 11 जून से बारिश होने की संभावना है.मौसम विभाग ने कहा है कि हालांकि आने वाले दिनों में फिर से मानसून शुरू होने वाला है, लेकिन कुछ इलाकों में लू और हीटवेव की स्थिति भी बनी रहेगी. IMD ने 8 से 10 जून के बीच पश्चिम राजस्थान में और 9 से 10 जून के बीच पंजाब, हरियाणा, दक्षिणी उत्तर प्रदेश और उत्तरी मध्य प्रदेश में लू और हीटवेव को लेकर चेतावनी जारी की है.

धोनी-कोहली भी नहीं दिला सके इंग्लैंड में जीत क्या शुभमन गिल एंड टीम रच पाएगी इतिहास

नई दिल्ली। शुभमन गिल एंड टीम के लिए इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतना कितना मुश्किल है, इसका अंदाजा इस बात से लगाइए कि विराट कोहली, एमएस धोनी की कप्तानी में भी भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड में कभी नहीं जीत पाई है. विराट के साथ रोहित शर्मा भी टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं, ऐसे में इस टीम पर और भी दबाव होगा. शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया इंग्लैंड में इतिहास रचना चाहेगी. हालांकि इससे पहले 19 बार भारतीय टीम इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज खेलने आई है. इनमें से 3 बार ही भारत सीरीज जीता है.

इंग्लैंड में भारत ने 2007 में जीती थी आखिरी टेस्ट सीरीज

2007 से भारत के इंग्लैंड दौरे पर खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज का नाम पटौदी ट्रॉफी रखा गया. ये पहली सीरीज राहुल द्रविड़ की कप्तानी में खेली गई, जिसे भारत ने 1-0 से अपने नाम की. इसके बाद 4 बार भारत इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज खेल चुकी है, जिसमें से 3 बार हार चुकी है और एक बार सीरीज ड्रा रही है.2011 और 2014 में जब भारत ने इंग्लैंड का दौरा किया, तब एमएस धोनी कप्तान थे. लेकिन दोनों बार भारत को शिकस्त झेलनी पड़ी. 2011 में तो इंग्लैंड ने भारत को पटौदी ट्रॉफी में 4-0 से हराया. 2014 में 5 मैचों की सीरीज में इंग्लैंड 3-1 से विजयी रही. विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2018 और 2022 में इंग्लैंड का दौरा किया. 2018 में इंग्लैंड ने भारत को 4-1 से हराया. हालांकि 2022 में भारतीय टीम सीरीज को ड्रा कराने में सफल रही. ये सीरीज 2-2 से बराबर रही थी.

गिल के पास इतिहास रचने का मौका

भारतीय टीम 18 सालों से इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज नहीं जीती है. क्या शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम ऐसा कर सकती है? बिल्कुल कर सकती है, बेशक विराट कोहली और रोहित शर्मा रिटायरमेंट ले चुके हैं, लेकिन टीम में कई युवा खिलाड़ियों के साथ अनुभवी प्लेयर्स भी हैं. कप्तान गिल के साथ, करुण नायर, ऋषभ पंत, केएल राहुल के रूप में अच्छे बल्लेबाज हैं तो वहीं जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज जैसे शानदार गेंदबाज भी हैं.

सिर्फ टिकट बेचकर आरसीबी ने कमाए 650 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सपना पूरा हुआ. आरसीबी ने 18वें सीजन में अपनी पहली ट्रॉफी जीती. टीम ने इसका जोरदार जश्न भी मनाया. आईपीएल की तरफ से आरसीबी को 20 करोड़ रुपये की प्राइम मनी दी गई. आपको जानकर हैरानी होगी कि आरसीबी ने फाइनेंशियल ईयर 2024 में बंपर कमाई की है. साथ ही हम आपको आरसीबी की नेटवर्थ भी बताएंगे. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने फाइनेंशियल ईयर 2024 में कुल लगभग 653 करोड़ रुपये की कमाई की है. इसमें आरसीबी ने ब्रॉडकास्टिंग से 420 करोड़ रुपये कमाए हैं. वहीं स्पॉन्सरशिप और और विज्ञापन से आरसीबी की कमाई 120 करोड़ रुपये की हुई है. टिकट बेचकर भी फ्रेंचाइजी ने मोटी रकम कमाई है. आरसीबी ने टिकट से करीब 60 करोड़ रुपये की कमाई की है. फ्रेंचाइजी ने मर्चेंडाइज से 30 करोड़ रुपये की कमाई की है. साथ ही आरसीबी ने डिजिटल और सोशल मीडिया से 10 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसमें प्राइज मनी भी जोड़ दी जाए तो कुल मिलाकर आरसीबी ने करीब 653 करोड़ रुपये की कमाई की है. इससे पहले फाइनेंशियल ईयर 2023 में आरसीबी ने करीब 235 करोड़ रुपये और फाइनेंशियल ईयर 2022 में बेंगलुरु ने करीब 292 करोड़ रुपये कमाए थे.

आरसीबी की नेटवर्थ

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टोटल नेटवर्थ करीब 1012 करोड़ रुपये है. आरसीबी आईपीएल के इतिहास की तीसरी सबसे सफल फ्रेंचाइजी है. इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस और पहले नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स है. मुंबई की नेटवर्थ करीब 1029 करोड़ रुपये और चेन्नई की नेटवर्थ लगभग 1059 करोड़ रुपये है.

बिना रसीद दिखाए नहीं मिल पाएगा गोल्ड लोन?

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने शुक्रवार को गोल्ड लोन के नियमों में बड़े बदलाव किए, जो जल्द ही लागू होने वाले हैं. इन नए नियमों में LTV रेश्यो का बढ़ना, 2.5 लाख रुपये तक के गोल्ड लोन को क्रेडिट अप्रेजल से छूट जैसी कई बातें शामिल हैं. एक और नियम लागू होने की बात की है, जिसके तहत गोल्ड ज्वेलरी खरीदने की रसीद दिखाने पर ही गोल्ड लोन मिलेगा. RBI ने अपने ड्राफ्ट प्रपोजल में कहा है कि गोल्ड लोन ओनरशिप को लेकर संदेह होने पर बैंक या NBFC लोन नहीं देंगे. यानी कि अब अगर आप सोना गिरवी रखकर उसके एवज में लोन लेने की बात सोच रहे हैं, तो पहले आपको रसीद दिखानी होगी. मान लीजिए कि अगर आपके पास ओरिजिनल रसीद नहीं है, तो आपको सेल्फ-डिक्लेरेशन देना होगा. यानी कि आपको यह साबित करना होगा कि आपको गहने विरासत में मिले हैं और इस पर अभी आपका मालिकाना हक है. दरअसल, बैंक या NBFC गिरवी रखी जा रही सोने के ओरनशिप वेरिफिकेशन को अपने पास रखेंगे.

विराट और रोहित को फेयरवेल देगा ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी और टेस्ट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने 7 मई को टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया था. इसके पांच बाद टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया. लेकिन इन दोनों खिलाड़ियों का ही कोई फेयरवेल मैच नहीं हुआ है.

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अभी तक रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से फेयरवेल को लेकर कोई ऐलान नहीं किया है. लेकिन ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने रोहित और विराट को फेयरवेल देने का प्लान बनाया है. भारतीय टीम इस साल के अंत में तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाली है. इस दौरे पर ही क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया भारत के इन दो लेजेंडरी क्रिकेटर के लिए स्पेशल फेयरवेल सेरेमनी होस्ट करने वाला है. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग का कहना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का ये आखिरी ऑस्ट्रेलिया दौरा हो सकता है और वे उनके शानदार क्रिकेटिंग करियर का सम्मान करना चाहते हैं. टॉड ग्रीनबर्ग ने आगे बताया कि मुझे नहीं पता कि ये उनका आखिरी दौरा होगा या नहीं, लेकिन वे इसे रोहित और विराट के लिए यादगार बनाना चाहते हैं।

HDFC Bank के सीईओ को सस्पेंड करने की मांग

मुंबई। लीलावती हॉस्पिटल ट्रस्ट ने फाइनेंशियल फ्रॉड के लिए HDFC बैंक के सीईओ शशिधर जगदीशन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. उन पर ट्रस्ट के एक सदस्य के पिता को परेशान करने के लिए बड़ी रकम लेने का आरोप लगा है. लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट ने सबूत के तौर पर डायरी में हाथ से लिखे लेनदेन को पेश किया है. हालांकि, HDFC बैंक के प्रवक्ता ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा, जगदीशन को कुछ गलत लोग निशाना बना रहे हैं. उनका कहना है कि कुछ डिफॉल्टर बैंक के बकाए लोन की वसूली से बचने के लिए कानून का दुरुपयोग कर रहे हैं.न NDTV प्रॉफिट की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रस्ट ने बैंक पर 25 करोड़ रुपये के गबन का आरोप लगाया है. ट्रस्ट मेंबर्स ने शनिवार को कहा कि वे जगदीशन सहित 8 अन्य लोगों के खिलाफ FIR दर्ज करने के मुंबई मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के आधार पर कार्रवाई करना चाहते हैं. जगदीशन पर आरोप है कि ट्रस्ट के एक पूर्व सदस्य ने उन्हें एक दूसरे मौजूदा सदस्य के पिता को परेशान करने के लिए 2.05 करोड़ रुपये दिए थे.

ड्रा रहा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन फाइनल, तो किसे मिलेगा खिताब

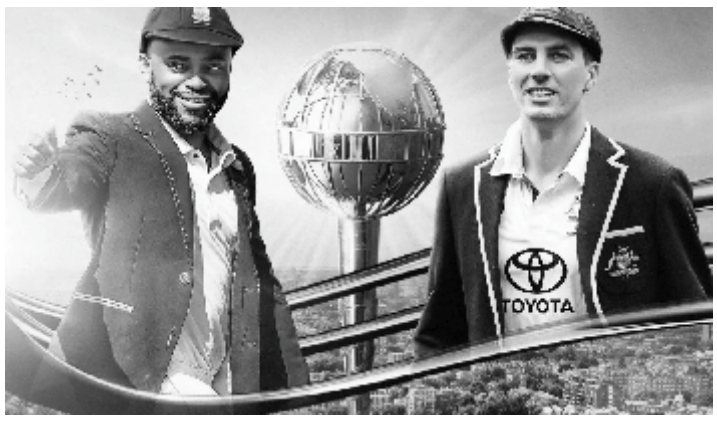

नई दिल्ली। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीचखेला जाएगा. मुकाबला लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर होगा. 11 से 15 जून के बीच होने वाले इस मैच में बारिश की संभावना है. तो अगर ये मैच ड्रा रहा तो विजेता कौन होगा? कौन सा नियम लागू होगा और रिजर्व डे का क्या नियम है? आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का ये तीसरा फाइनल है. इसके पहले संस्करण के फाइनल में न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर खिताब जीता था. दूसरे फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया था. इस बार भारत फाइनल में नहीं पहुंच सकी. तेम्बा बावुमा की कप्तानी में साउथ अफ्रीका पहली बार डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलेगी. जबकि ऑस्ट्रेलिया ने लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई है, वह चाहेगी कि अपना दूसरा खिताब जीते. आपको बता दें कि इस खिताबी भिड़ंत के लिए एक दिन का रिजर्व डे भी है. डब्ल्यूटीसी फाइनल में एक दिन का रिजर्व डे है, जो बारिश के कारण मैच बाधित होने या कम रौशनी के कारण जल्दी मैच खत्म होने की भरपाई के लिए तय किया गया है. अगर मैच ड्रा हो जाता है तो कौन सा नियम लागू होता है?

बारिश आई तो कौन बनेगा विनर?

डब्ल्यूटीसी 2023-25 की पॉइंट्स टेबल में साउथ अफ्रीका पहले और दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया रही थी. लेकिन अगर फाइनल ड्रा रहता है तो इसके आधार पर विजेता घोषित नहीं होता. नियम 16.3.3 के तहत अगर फाइनल ड्रा रहता है तो दोनों टीमों को विजेता घोषित कर दिया जाएगा. और मिलने वाली प्राइज मनी दोनों टीमों में बराबर बांटी जाएगी.

डब्ल्यूटीसी विनर 2025 प्राइज मनी

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल जीतने वाली टीम को 3,600,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे. ये भारतीय मुद्रा में करीब 30 करोड़ रुपये होंगे. रनर-अप, यानी हारने वाली टीम को 18 करोड़ रुपये के करीब मिलेंगे.

पिच और मौसम रिपोर्ट

लंदन में 11 जून से पहले और बाद में भी बारिश की संभावना है. मौसम रिपोर्ट के अनुसार शहर में 11 से 15 जून के बीच बादल छाए रहेंगे, बारिश की संभावना है. लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार रहती है. यहां अच्छी बाउंस और स्विंग मिलती है. पहली पारी में यहां का एवरेज स्कोर 310 का है. जैसे जैसे खेल आगे बढ़ेगा, यहां बल्लेबाजों के लिए और चुनौती हो जाएगी. इस मैच में वो टीम जीतेगी, जिसकी गेंदबाजी अधिक अच्छी होगी. यहां अभी तक 147 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें से पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम 53 बार और पहले गेंदबाजी करने वाली टीम 43 बार जीती है.

भारत के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को सरकार की चेतावनी

नई दिल्ली। अगर आप ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं और कभी ऐसा महसूस हुआ हो कि वेबसाइट ने आपको कोई फैसला लेने के लिए मजबूर कर दिया, जैसे "जल्दी करो, ऑफर खत्म हो रहा है" या फिर "बिना एक्स्ट्रा चार्ज बताए चुपचाप कीमत बढ़ा दी गई" तो आप शायद डार्क पैटर्न्स का शिकार हुए हैं. अब सरकार ने इस पर सख्त कदम उठाया है. डार्क पैटर्न्स यानी ऐसे डिज़ाइन या इंटरफेस ट्रिक्स, जो ऑनलाइन खरीदारों को धोखे में डालकर उनसे मनचाहा फैसला करवा लेते हैं. इनमें "फाल्स अर्जेंसी" (जैसे लिमिटेड स्टॉक का झूठा डर), "बास्केट स्नीकिन्ग" (बिना बताए चार्ज जोड़ देना) और "सब्सक्रिप्शन ट्रैप" जैसी चालाकियां शामिल हैं. केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) ने सभी ई-कॉमर्स कंपनियों को सख्त चेतावनी दी है कि वे अपने प्लेटफॉर्म से डार्क पैटर्न्स हटाएं।

साप्ताहिक शहर सत्ता

साय सरकार का चिंतन शिविर, कांग्रेस ने कसा तंज

मंत्री अपने कार्यानुभव करेंगे साझा, देश के कई प्रसिद्ध विषय विशेषज्ञ देंगे व्याख्यान

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ की साय सरकार का दो दिवसीय चिंतन शिविर 2.0 रविवार 8 जून से IIM कैम्पस में आयोजित है। इस दौरान देश के कई प्रसिद्ध विषय विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे। साथ ही परिवर्तनकारी नेतृत्व, दूरदर्शी शासन,संस्कृति, सुशासन व राष्ट्र निर्माण पर चर्चा होगी। चिंतन शिविर 2.0 में सुशासन से निर्वाचन तक, समावेशी डिजिटल व्यवस्था पर विस्तृत रूप से चर्चा होगी। शिविर में सभी मंत्री अपने डेढ़ साल के कार्यकाल में किए गए काम और अनुभवों को बताएंगे। इसके अलावा मंत्री सेवा, संकल्प और सीख पर चर्चा करेंगे।

पीसीसी चीफ ने कसा तंज

चिंतन शिविर को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने भाजपा पर तंज कसा है। बैज ने कहा- साय सरकार के मंत्रियों की पाठशाला लगनी भी चाहिए। इनसे सरकार नहीं संभाल रही है, जनता के लिए ये कुछ नहीं कर पा रहे है। प्रदेश हालकान है, सरकार सिर्फ लूट मचा रही है। तो चिंतन मंथन होना चाहिए। पर ये चिंतन शिविर नहीं है, ये पर्यटन है अब सरकार ने 1.5 साल लूट लिया है अब शिविर के बहाने पर्यटन कर ले सरकार।

युक्तियुक्तकरण से 10 हजार से ज्यादा स्कूल बंद होंगे

शहर सत्ता/जशपुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ में युक्तियुक्तकरण के विरोध में कांग्रेस ने आंदोलन की घोषणा की है। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव भानु प्रताप सिंह ने जशपुर में पत्रकारवार्ता के दौरान कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश में 10,463 स्कूलों को बंद करने जा रही है। भानु प्रताप सिंह ने बताया कि इस फैसले से न सिर्फ शिक्षक प्रभावित होंगे। स्कूलों में काम करने वाले रसोइए, भृत्य, सफाईकर्मी और मध्यान्ह भोजन से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूह भी इससे प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि सरगुजा और बस्तर जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। इन क्षेत्रों की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि दर्ज संख्या के आधार पर स्कूल संचालन से कई बच्चे प्राथमिक शिक्षा से वंचित रह जाएंगे। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती का वादा किया था। लेकिन अब युक्तियुक्तकरण के नाम पर 10 हजार शिक्षकों का पद समाप्त किया जा रहा है। इस दौरान पूर्व विधायक विनय भगत, प्रदेश सचिव हीरूराम निकुंज, जिलाध्यक्ष मनोज सागर यादव समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

बैज को इसाई बोलने से कांग्रेस आगबबूला

सुशील आनंद शुक्ला ने कहा बैज प्रकृति पूजक आदिवासी है

शहर सत्ता/रायपुर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरविंद नेताम और मंत्री केदार कश्यप के द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के संदर्भ में दिये गये बयानों की कांग्रेस ने कड़ी निंदा किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अरविंद नेताम वानप्रस्थ की उम्र में आरएसएस की पाठशाला से झूठ परोसना सीख कर आये है। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज प्रकृति पूजक आदिवासी बूढ़ादेव महादेव भक्त है। उन्हें भाजपा के सार्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। सुशील ने आरोप लगाया कि बस्तर की संपदा के लूट के खिलाफ बैज के विरोध से डरे भाजपाई अरविंद नेताम को मोहरा बना रहे। धर्मांतरण भाजपा के लिये राजनैतिक हथियार है और वह खुद निदान नहीं चाहती है।

पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज को अपनी धार्मिक आस्था के लिये अरविंद नेताम, केदार कश्यप या आरएसएस से सार्टिफिकेट की आवश्यकता नहीं है। दीपक बैज प्रकृति पूजक आदिवासी है, बूढ़ादेव, महादेव के उपासक है, जीवन के चौथे पहर वान प्रस्थ की अवस्था में अरविंद नेताम आरएसएस की पाठशाला से झूठ बोलने की जो शिक्षा नागपुर से लेकर आये है उसका बस्तर के ही आदिवासी नेता पर प्रयोग कर रहे है। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज जो दंतेश्वरी माई के अनन्य भक्त है तथा बस्तर दशहरा कमेटी के रूप से 5 सालो तक प्रतिवर्ष 75 दिनों माई की सेवा करते रह है। कांग्रेस सरकार के समय सांसद के रूप में उन्होंने आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा दिया, देवगुड़ी, घोटुल के संरक्षण एवं संवर्धन का काम किया। दीपक बैज को नेताम, कश्यप के सार्टिफिकेट की उनको जरूरत नहीं है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि दरअसल अरविंद नेताम के उद्गार आरएसएस की पाठशाला से भले आये है उसके पीछे अडानी और उद्योगपतियो की वह खीझ है, जो दीपक बैज के नेतृत्व में बस्तर से खनिज संपदा के लूट के खिलाफ चलाये जा रहे आंदोलनो को बर्दास्त नहीं कर पा रहे है। एनएमडीसी नगरनार संयंत्र के बेचे जाने के खिलाफ की जाने वाली पदयात्रा हो या बस्तर की जीवनदायिनी इंद्रावती को बचाने की जाने वाली पदयात्रा है। हाल ही में बस्तर की खनिज संपदा के बंदरबांट के खिलाफ किरंदूल से दंतेवाड़ा तक की गई पदयात्रा जिसमें हजारों की संख्या में बस्तरवासी इक्ट्ठा होकर बस्तर के हक की लड़ाई में अपनी एकजुटता प्रदर्शित किये उसके बाद से ही बस्तर को लूटने की योजना बनाने वाले लोग तिलमिला गये और बस्तर के ही वरिष्ठ आदिवासी नेता को मोहरा बनाकर पीसीसी अध्यक्ष के खिलाफ अनर्गल प्रलाप करवा रहे है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राज्य में जब से भाजपा की सरकार बनी है प्रदेश के शहरी एवं मैदानी क्षेत्रों में भी धर्मांतरण की घटनायें बढ़ गयी है। भाजपा खुद धर्मांतरण को बढ़ावा देती है फिर वर्ग संघर्ष करवाती है। विपक्ष में रहते हुये धर्मांतरण के नाम पर फसाद करने वाले भाजपाई पिछले सवा साल से प्रदेश में होने वाली धर्मांतरण की घटनाओं पर चुप्पी साध लिये है। यही नहीं खबरें तो यह भी आ रही है कि धर्मांतरण कराने वालों को सत्तारूढ़ दल का संरक्षण मिला हुआ है। जशपुर, बस्तर में धर्मांतरण की घटनाओं के बाद भाजपा की खामोशी इस बात का प्रमाण है कि इन घटनाओं को उसका समर्थन है। छत्तीसगढ़ में साय सरकार ने अपनी पहली बैठक में ही वह दावा किया था कि नया "धर्म स्वातंत्र विधेयक" का ड्राफ्ट तैयार है, 60 दिन के भीतर लागू हो जायेगा, लेकिन सवा साल बीतने के बाद आज तक मौन है।

पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी, कांग्रेस नेता गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग के वैशाली नगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया में अभ्रद्र टिप्पणी करने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व साडा उपाध्यक्ष बृजमोहन सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। कांग्रेस नेता साडा के खिलाफ बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने वैशाली नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। इस शिकायत पर कार्रवाई करते हुये पुलिस ने कांग्रेस नेता को जेल भेज दिया है।

दरअसल, कांग्रेस नेता बृजमोहन सिंह ने कुछ दिनों पहले पीएम मोदी के खिलाफ बयान देते हुये अभ्रद्र टिप्पणी की थी। उनका ये बयान जैसे ही सोशल मीडिया में वायरल हुआ तो भिलाई में भाजपाइयों ने जमकर विरोध किया था। भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में वैशाली नगर थाना पहुंचे और कांग्रेस नेता के खिलाफ एफआईआर व गिरफ्तारी की मांग करने लगे।

थाने के सामने बढ़ती भाजपाइयों की भीड़ को देखते हुये पुलिस ने कांग्रेस नेता के खिलाफ अपराध दर्ज किया और मंगलवार की रात उन्हें गिरफ्तार कर थाने पहुंची थी। कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी की खबर के बाद रात में ही दुर्ग के पूर्व विधायक अरूण वोरा, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता भी थाने पहुंचे थे। उन्होंने

बीजेपी के दबाव में पुलिस के द्वारा कार्रवाई करने का आरोप लगाया था। हीं, बीजेपी महिला मोर्चा, बीजेपी नेता और कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में थाने में ही मौजूद थे। बृजमोहन सिंह को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से मजिस्ट्रेट ने उन्हें ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेज दिया है।

इसी तरह के एक मामले में बीते दिनों सीपत के पूर्व विधायक अरुण तिवारी के खिलाफ रंजीत यादव ने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई है। रंजीत यादव ने अपनी शिकायत में बताया कि पूर्व विधायक तिवारी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आपरेशन सिंदूर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लेकर अशोभनीय और अभद्र टिप्पणी की है। प्रधानमंत्री और सेना को लेकर की गई टिप्पणी से मैं आहत हूं। देशवासियों के साथ ही सेना की कर्मठता और देशप्रेम की भावना को आहत करने का काम अरुण तिवारी ने किया है।

कांग्रेस का आरोप, सरकार की तबादला नीति भेदभावपूर्ण

शहर सत्ता/रायपुर। तबादला नीति से शिक्षा, पुलिस, परिवहन, खनिज, वाणिज्य, पंजीयन विभाग, निगम मंडल के कर्मचारी, आबकारी विभाग के कर्मचारियों को बाहर करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सरकार तबादला नीति में कर्मचारी-कर्मचारी में भेदभाव कर रही है। तबादला नीति से शिक्षा, पुलिस, परिवहन, खनिज, वाणिज्य, पंजीयन विभाग के 3.60 लाख कर्मचारियों को बाहर कर दिया गया है। ये कैसी तबादला नीति 2025 है। प्रदेश में लगभग 4.50 लाख सरकारी कर्मचारी हैं जिसमें से शिक्षा विभाग में 2.50 लाख शिक्षक, पुलिस विभाग में 70 हजार से अधिक कर्मचारी, परिवहन विभाग खनिज विभाग, वाणिज्य विभाग, पंजीयन विभाग, आबकारी विभाग, निगम मंडल के कर्मचारी मिलाकर लगभग 40 हजार कर्मचारी है। उन्होंने कहा, यह कैसी नीति है जिससे कर्मचारी वर्ग के 80 प्रतिशत लोगों को बाहर रखा गया है। सरकार इनके साथ भेदभाव कर रही है। इनके अधिकारों का हनन कर रही है। ये कर्मचारियों के साथ अन्याय है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि तबादला कर्मचारियों का अधिकार है।

कांग्रेस शासन की रीपा प्रोजेक्ट पर कांग्रेस-भाजपा में रार

तीन सौ रीपा में करोड़ों की गड़बड़ी, साय सरकार ने योजना बंद कर बिठाई जांच

शहर सत्ता/रायपुर। पूर्ववर्ती सरकार की रीपा प्रोजेक्ट किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। खेती-किसानी के साथ ही गांव में उद्यम लगाने के लिए वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देने के उद्देश्य से रीपा योजना शुरू की गई थी। लेकिन भाजपा सरकार ने इसमें भारी आर्थिक अनियमितता की शिकायतों के बाद बंद कर दिया है। साय सरकार पुरे मामले की जांच भी शुरू कर दी है। ऐसे में रीपा प्रोजेक्ट को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

तीन सौ रीपा बनाया गया है उसमें करोड़ों की गड़बड़ी हुई है, उसका पूरी तरह से भौतिक सत्यापन भी नहीं किया गया है। मामले में साय सरकार आने के बाद कई जगहों से शिकायत आने के बाद पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने पूरी प्रोजेक्ट को रोक दिया है। बताया गया है कि जिलों में गोठानों को महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क के रूप में विकसित करना था। बिलासपुर जिले में 65 ग्रामीण क्षेत्र के गोठानों का चयन किया गया है। इसमें 33 में ही काम शुरू हो पाया है।

बिना बजट की योजना : अजय चंद्राकर

भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने रीपा प्रोजेक्ट के फेल होने का करण बताते हुए कहा कि प्रोजेक्ट के लिए कोई बजट नहीं था। न हीं इसके लिए कोई प्रोजेक्ट तैयार किया गया था। यह योजना पूरी तरह से जिला कलेक्टरों पर छोड़ दिया गया था। इन कारणों से पूरी योजना असफल रही। प्रोजेक्ट में गतिविधियों के अभाव के कारण इस पर कोई काम नहीं हो सका।

बंद करने का निर्णय निंदनीय : सुशील

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने बताया कि कांग्रेस सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने गांधी के ग्रामोद्योग की संकल्पना के आधार रीपा शुरू ही थी। महिला स्वसहायता समूहों और युवाओं को रोजगार मुहैया कराने का अच्छा माध्यम था। साय सरकार ने इसे बंद कर दिया है। बंद करने का निर्णय निंदनीय है।

अब तक 50 कोविड-19 मरीजों की पुष्टि, प्रशासन भी मुस्तैद

आवश्यक जांच,समय पर सैंपल परीक्षण की व्यवस्था के स्वास्थ्य मंत्री ने दिए निर्देश

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब तक 50 कोविड-19 मरीजों की पुष्टि की गई है। सभी मरीजों में सामान्य लक्षण पाए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की तरफ से आवश्यक जांच कराने, समय पर सैंपल परीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सामान्य लक्षणों के चलते मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं है।

छत्तीसगढ़ में वर्तमान में कोविड-19 के जो भी मामले सामने आए हैं, उनमें अधिकतर मरीजों में सामान्य इंफ्लूएंजा जैसे लक्षण ही देखे जा रहे हैं, जैसे हल्का बुखार, सर्दी-खांसी या गले में खराश। विशेषज्ञों के अनुसार, इन लक्षणों के चलते अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं पड़ी है और मरीजों की स्थिति स्थिर बनी हुई है। अब तक राज्य में कुल 1183 लोगों की जांच की गई है, जिनमें से 50 व्यक्तियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि सभी संक्रमितों में सिर्फ सामान्य सर्दी-खांसी जैसे हल्के लक्षण पाए गए हैं और केवल गंभीर लक्षण वाले व्यक्तियों को चिकित्सालय में उपचार हेतु संदर्भित करने के लिए निर्देश दिये गये है।

सतर्कता के साथ संपर्क जांच और निगरानी का कार्य जारी

आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण की रोकथाम के लिए आवश्यक सभी कदम उठाए हैं। जिन व्यक्तियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है, उनके संपर्क में आए लोगों की पहचान कर जांच की जा रही है। साथ ही, उनके निवास क्षेत्रों में स्वास्थ्य दल भेजकर सर्वेक्षण किया गया है। यदि किसी में लक्षण पाए जा रहे हैं तो उसकी जांच कराई जा रही है, और गंभीर लक्षण होने की स्थिति में उपचार के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है।

राज्य भर में मॉक ड्रिल, सभी अस्पताल तैयार

5 जून 2025 को पूरे राज्य के अस्पतालों में कोविड-19 की रोकथाम एवं उपचार की तैयारियों को परखने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान सभी जिलों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई और संक्रमण से निपटने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की तरफ से निर्देश दिए गए हैं कि राज्य के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों, सिविल सर्जनों और मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पताल कोविड-19 के संदिग्ध मामलों की निगरानी करें, आवश्यक जांच कराएं, और समय पर सैंपल परीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

विशेषज्ञों की सलाह घबराएं नहीं, सतर्क रहें

भारत सरकार के स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान में कोविड-19 के लक्षण सामान्य फ्लू की तरह ही हैं, जिससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार ने मौसमी बीमारियों और कोविड-19 दोनों से निपटने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी में हल्के सर्दी-जुकाम, बुखार या गले में खराश जैसे लक्षण दिखें, तो वह निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें। सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे सजग रहें, लेकिन भयभीत न हों। राज्य सरकार ने भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार कोविड-19 एवं मौसमी बीमारियों के संभावित मरीजों के उपचार की संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की है। अस्पतालों में दवाएं, परीक्षण सुविधा एवं चिकित्सकीय संसाधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

रेलवे का संरक्षा विभाग बता रहा, कैसे करें रेल फाटक पार

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय समपार (फाटक) दिवस के अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग के द्वारा 3 से 9 जून तक समपार फाटक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। 07.06.25 को संरक्षा अधिकारियों , संरक्षा सलाहकारों , सिविल डिफेंस वोलैंटियर एवं डी सी ए टीम के द्वारा विभिन्न समपार फाटकों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जैसे जालसो फाटक (समपार फाटक-403) , तुलसी फाटक (समपार फाटक-399), निपनियां स्टेशन एवं फाटक (समपार फाटक-378), कुरूद फाटक (समपार फाटक-401), ओवेन गेट (समपार फाटक-375), भैंसबोड गेट (समपार फाटक-374), तारसर गेट (समपार फाटक-406), सिलियारी बाजार एवं गेट (समपार फाटक-405), मौहागांव गेट (समपार फाटक-404), गुंडरदेही स्टेशन एवं बाजार, बालोद स्टेशन, तिल्दा स्टेशन एवं पेट्रोल पंप, लाटाबोर स्टेशन, दल्लीराजहरा स्टेशन, बैकुंठ, मांढर ,दगोरी स्टेशन एवं पेट्रोल पंप तथा चक्रभाटा स्टेशन में जाकर लोगों को पॉमप्लेट वितरण करके , स्टीकर चिपका कर एवं बैनर लगाकर लोगों को फाटक बंद होने पर उसे पार न करने की काउंसलिंग की गई तथा समपार फाटक को सही तरीके से पार करने लोगों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

बीजापुर के 78 स्कूलों में पहली बार बजेगी पढ़ाई की घंटी

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों और विद्यालयों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के तहत बीजापुर जिले में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई है। जिले के 78 ऐसे स्कूल जहां अब तक एक भी शिक्षक पदस्थ नहीं था, वहां पहली बार नियमित शिक्षकों की नियुक्ति की गई है, जिससे अब जिले में कोई भी स्कूल शिक्षकविहीन नहीं रहा। इसी प्रक्रिया के अंतर्गत 2 हाईस्कूलों में विषय विशेषज्ञ व्याख्याताओं की भी नियुक्ति की गई है, जिससे लंबे समय से विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकेगी। जिला शिक्षा कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया में 198 शिक्षक अतिशेष पाए गए। इनमें 104 सहायक शिक्षक, 13 प्रधान अध्यापक (प्राथमिक), 45 शिक्षक, 31 प्रधान अध्यापक (माध्यमिक) एवं 5 व्याख्याता शामिल हैं। इन अतिशेष शिक्षकों मे से 189 शिक्षकों की पस्थापना शिक्षक विहीन एकल शिक्षकीय एवं आवश्यकता वाले स्कूलों में कांउसलिंग के उपरांत की गई है। नई पदस्थापना आदेश के तहत 82 शिक्षकों को शिक्षक विहीन शालाओं में 44 शिक्षकों को एकल शिक्षकीय शालाओं में और 63 शिक्षको को पदस्थापना किया गया।

गुणवत्तापूर्ण होगी शिक्षण व्यवस्था - कलेक्टर गौरव सिंह

शहर सत्ता/रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने आज जिले में संपन्न हुए शालाओं और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में जानकारी देने हेतु प्रेसवार्ता ली। उन्हांेने कहा कि राज्य में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर और समावेशी बनाने के लिए शालाओं और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया जा रहा है। डॉ सिंह ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि नगरीय इलाकों में छात्रों की तुलना अधिक शिक्षक पदस्थ हैं, जबकि ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों की शालाओं में स्थिति इसके विपरीत है। वहां शिक्षकों की कमी है, जिसके चलते शैक्षिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैै। इस स्थिति को सुधारने के उद्देश्य ही राज्य सरकार द्वारा युक्तियुक्तकरण का कदम उठाया गया है। इससे जिन शालाओं में शिक्षक की जरूरत है, वहां शिक्षक उपलब्ध होंगे।

उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया से ग्रामीण क्षेत्रों में गणित, रसायन, भौतिकी और जीव विज्ञान जैसे विषयों के विषय-विशेषज्ञ उपलब्ध होंगे। बच्चों को अच्छी शिक्षा, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। छात्र-शिक्षक अनुपात स्कूलों में संतुलित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के दिशा-निर्देशों के अनुरूप शिक्षकों और शालाओं का युक्तियुक्तकरण किया जा रहा है। डॉ सिंह ने बताया कि रायपुर जिले में 04 शालाओं का समायोजन हो रहा है। जिसमें 1 अभनपुर और 3 रायपुर नगर के स्कूल शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्र में जहां वह स्कूल जो जिनके अगल-बगल एक किलोमीटर की परिधि में दूसरा स्कूल था और बच्चों की संख्या 10 से कम थी वहीं नगरीय क्षेत्र में 500 मीटर के भीतर दूसरा स्कूल था और बच्चों की संख्या 30 से कम थी ऐसे चार विद्यालयों का यहां समायोजन दूसरे विद्यालय में किया गया है।

- **शालाओं और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण से मिलेंगे विषय विशेषज्ञ**

"विकसित कृषि संकल्प अभियान" के तहत वैज्ञानिक तकनीक की दी जानकारी

छत्तीसगढ़ के किसानों ने भी जाना उन्नत कृषि तकनीक

शहर सत्ता/रायपुर। "विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत वैज्ञानिकों ने गांव-गांव तक उन्नत तकनीकों का संदेश पहुंचाया है। इस कड़ी में वैज्ञानिकों ने छत्तीसगढ़ के किसानों से सीधा संवाद किया और आधुनिक खेती के सूत्र बताये। कृषि को आत्मनिर्भर और आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, "विकसित कृषि संकल्प अभियान" के अंतर्गत आईसीएआर–राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान (एनआईबीएसएम), रायपुर के वैज्ञानिकों की एक विशेषज्ञ टीम ने छत्तीसगढ़ के सात जिलों, रायपुर, दुर्ग, धमतरी, बलौदाबाजार, बेमेतरा, महासमुंद और गरियाबंद में व्यापक भ्रमण किया। संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय के मार्गदर्शन में इस क्षेत्रीय भ्रमण का उद्देश्य किसानों तक उन्नत और टिकाऊ कृषि तकनीकों को पहुंचाना, जलवायु-अनुकूल फसलों को बढ़ावा देना और कृषि के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण को ग्रामीण स्तर पर सशक्त करना रहा।

अभियान में भाग लेने वाले वैज्ञानिकों की टीम में डॉ. आर. के. मुरली बस्करन, डॉ. के. सी. शर्मा, डॉ. एस. के. जैन (प्रधान वैज्ञानिक), डॉ. (श्रीमती) लता जैन, डॉ. श्रीधर जे. (वरिष्ठ वैज्ञानिक), डॉ. ललित लक्ष्मण खर्बीकर, डॉ. योगेश येले, डॉ. श्रावणी सान्याल, डॉ. प्रियंका मीणा और डॉ. निरंजन प्रसाद एच. पी. शामिल रहे।

वैज्ञानिकों ने खेतों में पहुंचकर चौपालों, प्रदर्शनों और जागरूकता शिविरों के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षित किया। प्रमुख विषयों में जलवायु-लचीली फसलें, सूक्ष्म सिंचाई तकनीक, उच्च उत्पादकता एवं रोग-प्रतिरोधक बीजों का चयन, प्राकृतिक और जैविक खेती की विधियाँ, सरकारी योजनाओं की जानकारी और एफ.पी.ओ. के माध्यम से सामूहिक सशक्तिकरण शामिल रहे। किसानों ने इन कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी जमीनी समस्याओं को साझा किया। वैज्ञानिकों ने तत्काल समाधान सुझाए और स्थानीय भाषा में कृषि साहित्य भी वितरित किया।

अभियान के दौरान वैज्ञानिकों ने स्पष्ट संदेश दिया कि "विकसित भारत" की नींव "विकसित कृषि" पर ही टिकी है। इस प्रयास ने वैज्ञानिक शोध और कृषकों के बीच की दूरी को कम किया है, जिससे दीर्घकालिक रूप से किसानों को सतत लाभ मिल सकेगा। संस्थान द्वारा किए गए इस समन्वित प्रयास ने ग्रामीण कृषि समुदाय में जागरूकता और आत्मनिर्भरता की भावना को सशक्त किया है, जो प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में एक सार्थक कदम है।

भरोसा कायम है...

बॉलीवुड में सबसे संवेदनशील रिश्ता पति-पत्नी का होता है लेकिन फिल्मी चकाचौंध में रिश्ते तार-तार होते हैं। गॉसिप और रिलेशनशिप की वजह से कई जोड़े तलाक की कगार में पहुंच जाते हैं ऐसे में छॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के संस्कार और संस्कृति दोनों महफूज हैं। हम बात कर रहे हैं उन अभिनेताओं और फिल्मी हीरो की जो फिल्मों में हीरो-हीरोईन के साथ आलिंग्नबद्ध भी होते है फिर भी उनकी पत्नी का भरोसा अपने पति पर अटूट है। कुछ ऐसे ही जिंदगी के अनछुए पहलू शहरसत्ता के कला समीक्षक पूरन किरी ने स्थापित अभिनेताओं से जाना।

अब भी वो किसिंग सीन से हो जाते हैं असहज - प्रकाश

मैं जब छोटा था, तबसे ही फिल्मों में काम करने का सपना देखा करता था। मेरी माँ भी फिल्मों की बड़ी शौकीन थीं, और कहीं न कहीं उनके मन में भी यह चाह थी कि मैं इस क्षेत्र में कुछ करूं। किस्मत का साथ कहिए या ऊपरवाले की कृपा, मेरी पत्नी भी इस फील्ड को समझती हैं, साथ देती हैं और जब हम मुंबई आए, तो मेरे इस सफर की असली शुरुआत हुई। मैंने ड्रामा, नाटक, हर तरह के सीन किए – चाहे वो इमोशनल हो, सामाजिक हो या रोमांटिक। एक फिल्म में तो मैंने एक किसिंग सीन भी किया था – हालांकि वो पूरी तरह से टेक्निकल और कैमरा एंगल से चीट शॉट था – लेकिन खुद को करते हुए भी अजीब लगता था। और जब कभी वो सीन फैमिली के साथ देखने का मौका आता, तो थोड़ा ऑकवर्ड ज़रूर हो जाता था।

लेकिन चूंकि वह फिल्म का एक महत्वपूर्ण मोड़ था, कहानी के लिए ज़रूरी था, इसलिए बतौर कलाकार मैंने उसे निभाया। उस समय हमारे बच्चे भी छोटे थे, उन्हें समझ नहीं थी, इसलिए उतनी चिंता नहीं थी। आज की परिस्थितियाँ अलग हैं – और वैसे भी अब मैं इस तरह के सीन करने से बचता हूँ। हाँ, फिल्मों में पत्नी का किरदार निभा रही हीरोइन के साथ कभी-कभी हग करना,

संगवारी (पत्नी) के सहयोग से बना एक्टर - शिव

मैं दिल से कहना चाहता हूँ कि अगर आज मैं फिल्मी दुनिया में हूँ, तो इसका पूरा श्रेय मेरे परिवार को जाता है। अगर उनका सहयोग और विश्वास न होता, तो शायद मैं इस रास्ते पर कदम भी न रख पाता। खास तौर पर मेरी धर्मपत्नी का योगदान मेरे जीवन और करियर में सबसे अहम रहा है। उन्होंने न सिर्फ़ हर कदम पर मेरा साथ दिया, बल्कि मेरे इस सफर को अपनाया भी। जब मैं किसी सीन की शूटिंग करता हूँ, तो मेरे ज़ेहन में हमेशा यह बात रहती है कि मेरी पत्नी को कभी ऐसा न लगे कि मैं कुछ अनुचित कर रहा हूँ। मैं हमेशा यही प्रयास करूंगा कि ऐसा काम करूं जिसे मैं पूरे परिवार के साथ बैठकर गर्व और आनंद से देख सकूं। मेरे परिवार, मेरी पत्नी, और मेरे सभी चाहने वालों के सहयोग और आशीर्वाद से ही आज मैं एक लीड हीरो बन पाया हूँ। आप सभी का तहे दिल से धन्यवाद करता हूँ। यही प्यार और विश्वास मेरी सबसे बड़ी ताकत है।

पत्नी मुझे मज़ाक में 'स्क्रीन वाला शैतान' कहती है

छत्तीसगढ़ी फिल्मों के उभरते सितारे नीरज उके, जो राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव के निवासी हैं, ने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। खासकर उनके द्वारा निभाए गए नकारात्मक किरदारों ने दर्शकों को चौंका दिया, वहीं उनके घर में इस पर एक दिलचस्प प्रतिक्रिया सामने आई उनकी पत्नी की मुस्कान।

जब उसने मेरा किरदार देखा तो मुस्कुरा उठी," नीरज की पत्नी काजल ने हँसते हुए कहा। "उसने कहा, 'तुम बिल्कुल डरावने लग रहे थे... और मुझे बहुत अच्छा लगा ! यह प्रतिक्रिया सिर्फ एक पत्नी की नहीं, बल्कि एक सच्चे कला प्रेमी की थी। काजल जानती हैं कि एक कलाकार के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार उसकी प्रस्तुति की सच्चाई होती है। नीरज ने भी मुस्कुराते हुए कहा, उसे मालूम है कि असल ज़िंदगी में मैं बिल्कुल विपरीत हूं। शायद इसलिए मुझे उस रूप में देखना उसके लिए और भी दिलचस्प बन गया। अब वो मुझे मज़ाक में 'स्क्रीन वाला शैतान' कहने लगी है। नीरज उके का यह किरदार दर्शकों के दिलों में उतर गया और साबित कर दिया कि वह एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी कलाकार हैं, जो हर भूमिका को जीवंत बना सकते हैं,फिर चाहे वो नायक की हो या खलनायक की। उनकी आने वाली फिल्मों की फेहरिस्त भी कम दिलचस्प नहीं है 'जानकी', 'जान लेबे का', 'मैं राजा तैं मोर रानी', 'रामायण कथा', 'बली', 'ढोलकल', 'मदाड़ी' और 'गढ़वा बाजा संग बर बिहाव' जैसे दमदार प्रोजेक्ट्स में नीरज अपनी कला का जादू बिखेरने को तैयार हैं।

उलाहना मिलती है...लेकिन उसमें प्यार और भरोसा दीखता है

दुनिया की कोई भी समझदार और संस्कारी पत्नी यह कभी नहीं चाहेगी कि उसका पति किसी और औरत की बांहों में नजर आए — चाहे वो महज एक सिनेमाई दृश्य ही क्यों न हो। शक करना हर पत्नी की फितरत है, लेकिन इसके बावजूद जो पत्नियाँ अपने पतियों को न सिर्फ बेइंतहा प्यार देती हैं, बल्कि मां की तरह देखभाल भी करती हैं — वो सचमुच अनमोल होती हैं।

मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूँ कि जीवन के तमाम उतार-चढ़ाव, भयानक दुख, अभाव और संघर्षों के दौरान मेरी पत्नी 'प्रतिभा' ने कभी मेरा साथ नहीं छोड़ा। उसने केवल एक जीवनसाथी नहीं, बल्कि एक मजबूत स्तंभ बनकर हर कठिन घड़ी में मेरा हाथ थामा।" कुछ फ़िल्मी सीन मुझे ज्यादा असहज लगते हैं क्योंकि न चाहते हुए भी हमें उसे करना पड़ता है...फिर परिवार, पत्नी, बच्चे और आपको जानने वालों की सामान्य नजरें भी सवाल करती महसूस होती है। हालांकि यह आपके भीतर का अच्छा इंसान ही ऐसा फील करवाता है।

मेरी पत्नी मेरी दोस्त है इसलिए भरोसा कायम है

हमारी मुलाक़ात कैमरे के पीछे और सामने की उस दुनिया में हुई, जिसे हम 'शूटिंग' कहते हैं।" वाइफ सपना से मेरी पहली मुलाकात एक शूटिंग के दौरान हुई थी। वो ETV के शो 'Folk Jhama Jhama' में असिस्टेंट डायरेक्टर थीं और मैं उस शो में बतौर सिंगर शामिल हुआ था। किस्मत को शायद कुछ और ही मंज़ूर था, बाद में उसी शो में मुझे एंकर की भूमिका मिली।

शादी से पहले ही सपना शूटिंग के माहौल, कलाकारों की दुनिया और उनके संघर्षों से परिचित थीं 'ये मेरे लिए एक सौगात की तरह था। एक कलाकार के जीवन में उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं, कभी ताली बजती है, कभी खाली कुर्सियाँ मिलती हैं। ऐसे में जब जीवनसाथी न केवल साथ चलता है बल्कि आपकी कला को समझता और सम्मान देता है, तो वह किसी वरदान से कम नहीं होता।

इस मायने में मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि सपना सिर्फ मेरी पत्नी नहीं, मेरी सबसे अच्छी दोस्त बनीं। उनका सहयोग और विश्वास मुझे हर पड़ाव पर ताकत देता रहा है। आज भी हर कठिनाई के बीच जब उनका साथ मिलता है, तो लगता है जैसे मेरी कला को उसका असली आधार मिल गया हो।

ड्रेसमैन बिना अधूरी है फिल्म थानू साहू की मेहनत की कहानी

रायपुर। छत्तीसगढ़ी सिनेमा के परदे के पीछे कई ऐसे चेहरे हैं जो फिल्म को संवारते हैं लेकिन अक्सर अनदेखे रह जाते हैं। ऐसे ही एक समर्पित कलाकार हैं थानू साहू, जो अब इंडस्ट्री में बतौर मुख्य ड्रेसमैन अपनी पहचान बना चुके हैं। थानू ने 2013-14 में पब्लिसिटी से शुरुआत की थी, लेकिन 2016-17 में तरुण सोनी की फिल्म 'मयारू गंगा' से उन्हें प्रोडक्शन में पहला मौका मिला। फिर 'राजा भईया', 'चलहट कोनो देख लिहीं', 'ले सुरु होंगे मया के कहानी' जैसी फिल्मों में सहायक ड्रेसमैन के रूप में कार्य किया।

फिल्म 'वैदेही' से उन्हें बतौर मुख्य ड्रेसमैन ब्रेक मिला, जिसके बाद 'जीरो बनही हीरो', 'गुड़ियाँ', 'संघर्ष' और 'मोर छईयाँ भुइयाँ 3' जैसी चर्चित फिल्मों में उनका योगदान रहा। उनकी अगली फिल्म 'मैं राजा तैं मोर रानी' 4 जुलाई को रिलीज हो रही है। थानू कहते हैं, "पहले छत्तीसगढ़ी फिल्में साल में 3-4 बनती थीं, अब हर महीने रिलीज हो रही हैं। छोटे शहरों में टॉकीज और मल्टीप्लेक्स खुल रहे हैं, जो इंडस्ट्री के लिए बड़ी उपलब्धि है।

लेकिन एक अहम बात पर वे ध्यान दिलाते हैं, "फिल्मों में ड्रेस का सारा काम ड्रेसमैन करता है, फिर भी क्रेडिट में सिर्फ डिज़ाइनर का नाम होता है। हमें भी पहचान और सम्मान मिलना चाहिए। थानू साहू जैसे कलाकारों की कहानियाँ हमें याद दिलाती हैं कि एक फिल्म सिर्फ स्टारकास्ट या निर्देशक से नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की मेहनत से बनती है जो पर्दे के पीछे दिन-रात जुटा रहता है। अब समय है कि ऐसे लोगों को भी वो मंच और सम्मान मिले, जिसके वे हकदार हैं।

रैपर 'Arth' जुनून ने जॉब छुड़वाई और पहचान दिलाई

कृतार्थ चक्रवर्ती उर्फ अर्थ, रायपुर का एक उभरता रैपर है जिसने अपने जुनून के लिए कॉर्पोरेट जॉब तक छोड़ दी। 11वीं में कॉपी के पीछे लिखने से शुरू हुआ सफर 2021 में शंकराचार्य कॉलेज की रैप बैटल जीतने तक पहुंचा, जहां ₹5000 की इनामी राशि अपने पिता को देकर पहली बार बताया कि वो म्यूजिक को करियर बनाना चाहता है। शुरुआत में यूट्यूब पर 1000 व्यूज मिलना बड़ी बात थी, लेकिन जल्द ही एहसास हुआ कि बिना पैसों के म्यूजिक में टिकना मुश्किल है। इसलिए हैदराबाद में Amazon में दो साल की नाइट शिफ्ट जॉब की, पर थकान और क्रिएटिविटी की कमी के चलते कोई गाना रिलीज़ नहीं कर पाए।

फिर फैसला लिया "एक ही जिंदगी है" और नौकरी छोड़ रायपुर लौट आए। यहां उन्होंने 'Ghost Writer' और 'Ball Pen Freestyle' जैसे गाने रिलीज़ किए, जिन्हें यूट्यूब पर हजारों व्यूज मिले। आज उनका सपना है रायपुर के हिप हॉप सीन को देशभर में पहचान दिलाना। हाल ही में महासमुंद के 'Carnival' इवेंट में उन्होंने 300+ लोगों के सामने परफॉर्म किया और IIIT कॉलेज के रैप कॉम्पिटिशन में बतौर जज शामिल हुए। Arth आज युवाओं के लिए एक मिसाल हैं कि अगर हिम्मत हो, तो पैशन को प्रोफेशन बनाया जा सकता है।

खत्म हुआ 18 सालों का सूखा, RCB ने पहली बार जीती IPL की ट्रॉफी

फाइनल मुकाबले में पंजाब को 6 रन से हराया, क्रुणाल बने हीरो

अहमदाबाद। आरसीबी का 18 साल का सूखा आज खत्म हो गया है। टीम ने पहली बार IPL की ट्रॉफी जीतकर इतिहास रच दिया है। आईपीएल के 18 साल के इतिहास में पहली बार RCB ने ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने फॉर्म में चल रही पंजाब किंग्स को 190 रन का टारगेट देकर डिफेंड किया और अपनी अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल की। कृणाल पंड्या ने 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर 2 विकेट झटके और पंजाब की बैटिंग की रीढ़ तोड़ दी। विराट कोहली के लिए ये पल बेहद खास रहा। वो पहले ही वर्ल्ड कप, T20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीत चुके हैं, और अब 3 जून 2025 को वो आईपीएल चैंपियन बन गए हैं।

इतिहास में दर्ज हुआ पाटीदार का नाम

RCB की कहानी में कई दिग्गज आए और गए। राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले, डेनियल विटोरी और खुद कोहली ने कई बार कोशिश की, लेकिन टीम को ट्रॉफी नहीं दिला पाए। लेकिन इस बार रजत पाटीदार, जिन्होंने पहली बार टीम की कप्तानी की, सब पर भारी पड़े और RCB के इतिहास में नाम दर्ज करवा दिया।

कृणाल की गेंदबाजी ने पलटा गेम

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम जैसी पिच पर जहां 200 रन आराम से चेज हो जाते हैं, RCB ने 190 का स्कोर डिफेंड कर दिखाया। जब प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य ने पंजाब को तेज शुरुआत दी तो टारगेट आसान लग रहा था। लेकिन जैसे ही राजत पाटीदार ने अपने स्पिनर्स पर दांव खेला, पंजाब की पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। श्रेयस अय्यर को रोमारियो शेफर्ड ने चलता किया। इंग्लिस ने कुछ बड़े शॉट्स मारे लेकिन 12वें ओवर की पहली गेंद पर कृणाल ने इंग्लिस को आउट किया, लियाम लिविंगस्टोन ने शानदार कैच पकड़ा। 17वां ओवर भुवनेश्वर कुमार डाल रहे थे मैच का टर्निंग पॉइंट बन गया। नेहाल और स्टोइनिस, दोनों तीन गेंदों में आउट हो गए।

मेरा दिल और आत्मा बेंगलुरु के साथः कोहली

विराट कोहली ने बेंगलुरु की जीत पर कहा कि 'ये जीत जितनी फैंस के लिए है, उतनी ही टीम के लिए भी है'. विराट ने आगे कहा कि'आईपीएल को 18 साल हो गए हैं. मैंने इस टूर्नामेंट को अपनी जवानी से लेकर अपना प्राइम टाइम तक सब कुछ दिया है. मैंने कभी नहीं सोचा था कि ये दिन भी आएगा. विराट ने बताया मैच कीआखिरी गेंद के बाद मैं इमोशनल हो गया था'. विराट कोहली ने अपने दोस्त एबी डी विलियर्स के लिए कहा कि एबी ने इस फ्रेंचाइजी के लिए जो किया है, वो शानदार है. विराट ने बताया कि उन्होंने मैच से पहले डी विलियर्स से कहा था कि ये मैच भी आपका है और मैं चाहता हूं कि इस जीत का जश्न एबी हमारे साथ मनाएं. कोहली ने बताया कि डी विलियर्स आज भी हमारे वो खिलाड़ी हैं, जिन्होंने आरसीबी के लिए सबसे ज्यादा मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीते हैं, जबकि उन्हें रिटायर हुए चार साल हो गए हैं. एबी हमारे साथ पोडियम पर खड़े होने के हकदार भी हैं.

जीत के जश्न के बीच मौत का मातम, भगदड़ में 11 मरे

बेंगलुरू। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की जीत के जश्न में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर एक भयंकर भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. यह घटना उस समय हुई जब हजारों प्रशंसक अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की जीत का उत्सव मनाने के लिए स्टेडियम के पास जुटे थे. अचानक भीड़ में उथल-पुथल मचने से स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई और भगदड़ की चपेट में कई लोग आ गए. बेंगलुरु में इस दुर्घटना ने IPL के उत्सव को काले दिन में बदल दिया और पूरी दुनिया में इसपर शोक की लहर फैल गई है.

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने क्या कहा?

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि बेंगलुरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हमारी उम्मीद से कहीं अधिक लोग जश्न मनाने के वास्ते इकट्ठा हुए थे. चिन्नास्वामी स्टेडियम के निकट 2-3 लाख से अधिक लोग आ गए, किसी को इतनी भीड़ की उम्मीद नहीं थी. स्टेडियम में एक छोटा सा द्वार था, बड़ी संख्या में लोग पहुंच गये थे, उन्होंने इसे तोड़ दिया, जिससे भगदड़ मच गई.

भीड़ प्रबंधन में चूक बनी हादसे की वजह

स्थानीय रिपोर्ट्स के अनुसार, आयोजकों और पुलिस प्रशासन ने भारी भीड़ को देखते हुए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए थे. बिना किसी बैरिकेडिंग और भीड़ नियंत्रण के उपायों के अभाव में यह हादसा हुआ. प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि भीड़ अचानक आगे बढ़ने लगी जिससे भगदड़ मच गई.

प्रशंसकों की दीवानगी बनी मौत की वजह

RCB की जीत के बाद प्रशंसकों में जबर्दस्त उत्साह था. हजारों लोग खिलाड़ियों के स्वागत के लिए सड़क पर जमा हो गए. काफी समय से इंतजार करते-करते लोग धैर्य खो बैठे और आगे बढ़ने लगे. इसी हड़बड़ी में कई लोग जमीन पर गिर गए और कुचलने से मौत हो गई.

दर्ज हुआ केस, बढ़ सकती हैं कोहली की मुश्किलें

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की पहली आईपीएल जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत के बाद टीम के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। आरसीबी ने 17 साल बाद पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती थी जिसे लेकर जोरदार जश्न का आयोजन किया था। यह शिकायत नैजा होरतगाराा वेदिके के प्रतिनिधि ए.एम. वेंकटेश द्वारा शुक्रवार को कुब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई। पुलिस ने शिकायत कर ली है और कहा है कि इसे पहले से दर्ज एफआईआर के साथ मिलाकर जांच की जाएगी।

जेल जायेंगे, तड़ीपार भी होंगे...

सूदखोरी से लेकर संगठित अपराध तक का सफर
तोमर बंधु पर लग चूका है मर्डर और हाफ मर्डर का आरोप

पलाश तिवारी/ संवाददाता

एक के बाद एक अपराध करने और धनबल से पुलिस-कोर्ट से साफ बच निकलने से कल के मामूली से भाई व्हाईट कॉलर बन गए। महंगे सफ़ेद कपडे, चमचमाती कार और हथियारबंद गुर्गों के बल पर रसूखदारों को साधते चले गए। खारुन गंगा आरती के जरिये भी सियासी नजदीकियां और नामचीन गायकों का प्रोग्राम कर वीरेंद्र सिंह तोमर उर्फ़ रूबी अपने छोटे भाई को भी बतौर पहलवान जुर्म में शामिल कर दिया। रोहित तोमर क्रिकेटर बनना चाहते था और अच्छा खेलता भी था लेकिन भाई ने उसे भी अपने गोरखधंधे में खींच लाया। ऑटो चलाये, अंडा ठेला लगाकर ऑमलेट भी बनाये और बाद में फ्रूट्स भी बेचे और अचानक आलीशान कोठी, महँगी कार के अलावा गोल्ड, डायमंड जुलरी तक का सफर तय करने वालों से ना तो पुलिस, ना ही कोर्ट और ना ही आयकर विभाग ने कभी सवाल किया।

ऑटो चलाये, अंडा ठेला खोला फिर फल बेचने लगे

शहर सत्ता/रायपुर। हमेशा की तरह इस बार भी रायपुर पुलिस के चंगुल से फरार होने वाले करणी सेना के प्रदेश प्रमुख वीरेंद्र सिंह तोमर, भाई रोहित सिंह तोमर और इनके संगठित अपराध में सहयोगी रहे करीबियों की फेहरिस्त बन गई है। फ़िलहाल फरार चल रहे सूदखोर तोमर बंधुओं की पुलिस शिद्दत से तलाश में जुटी हुई है। गिरफ्तार होते ही जेल भी जायेंगे और इनके तड़ीपार किये जाने की भी तैयारी है। हालांकि बीते दो दशक पहले से खौफनाक तरीके से जुर्म कर रहे दोनों भाइयों के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन क्यों मुर्रवत बार्ट रहा था यह पड़ताल का विषय है।

सख्ती, कार्रवाई और घर में पुलिस दबिश के बाद इनके सताए लोगों में कर्जदार, मजबूर और जरूरतमंद दोस्त तक शामिल हैं। जिन्हें दोनों भाइयों ने ब्याज पर मामूली रकम दिए और चक्रवृद्धि पर चक्रवृद्धि ब्याज जोड़कर सड़क पर ला खड़ा किया। दो दिन पूर्व एक नए मामले का खुलासा इनके दोस्त ने दर्ज करवाया है जिसने इन लोगों से 10 लाख रुपए उधार लिए और इन्हें 1.20 करोड़ रूपये चुकाना पड़ा। अपने ही कर्जदार दोस्त को इतना सताया कि उसे प्रॉपर्टी बेच शहर छोड़ना पड़ा। सूदखोरी के नाम पर जबरदस्ती वसूली करने वाले वीरेंद्र और रोहित तोमर पर पुरानी बस्ती थाने में शुक्रवार को वसूली व संगठित अपराध का एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। ये रिपोर्ट रोहित तोमर के कारोबारी दोस्त करण सोनी ने दर्ज कराई है। बताते हैं कि 35 लाख बकाया बता धमका रहे थे, 4 ब्लैंक चेक पर हस्ताक्षर लेते थे।

गैंग की महिलाएं और पुरुष सदस्य फांसते थे ग्राहक

कैश, गन और गोल्ड के साथ मिले रजिस्ट्री पेपर

एसएसपी डा. लाल उमेद सिंह ने मीडिया को बताया कि सूदखोरी का बड़ा सिंडीकेट उजागर हुआ है, जिसमें तोमर भाइयों के अलावा परिवार के लोग तथा महिलाओं की संलिप्तता भी पाई गई है। भाठागांव में बुधवार को करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र रूबी तोमर और रोहित तोमर के मकान की सर्चिंग में पुलिस को 36 लाख रुपए कैश, पौन किलो गोल्ड, दो पिस्टल और तलवारों के अलावा जो दस्तावेज मिले हैं, उनकी जांच में सूदखोरी और ब्याज वसूलने के लिए उधार लेने वालों की प्रापर्टी की रजिस्ट्री करवाने तक के सबूत मिलने से पुलिस चौंक गई है।

पत्नी भी बेल पर

तोमर बंधू के आतंक की कहानी में उनकी जीवनसंगिनी भी बराबर की हिस्सेदार हैं | वीरेंदर सिंह तोमर की पत्नी शुभ्रा सिंह के खिलाफ भी सन 2017 में में धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। जिसमे अरोपिया के द्वारा कबीर नगर निवासी नरेश सचदेवा के साथ फर्जी चेक के माध्यम से 6 लाख रूपए का फर्जीवाड़ा किया गया था। फिलहाल शुभ्रा सिंह पिछले 7 सालों से अग्रिम जमानत ;पर बाहर हैं। वहीं इन दोनों भाईयों की गुंडागर्दी का आलम यहीं नहीं थमा ऐसे कई पीड़ित हैं जो आज भी तोमर बंधुओं के खिलाफ शिकायत करने से कतराते हैं। वही इन बदमाशों की पत्नियों का भी इन लोगों इन लोगों का भरपूर समर्थन करती हैं , जिसकी वजह से इन लोगों को शहर में आतंक फैलाने की हिम्मत मिलती है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बदमाश तोमर बंधुओं की सूदखोरी का लाइसेंस भीं शुभ्रा सिंह के नाम से बना हुआ है।

ब्लैक मेलिंग, सूदखोरी, फर्जी जमीन रजिस्ट्री का आरोप

दोनों पर 20 मामले हैं दर्ज

हत्या, हत्या का प्रयास और ब्लैक मेलिंग समेत जबरन उगाही जैसे तकरीबन 20 मामले दोनों भाइयों पर दर्ज हैं। लेकिन चंद घंटे में ही पुलिस के शिकंजे से बच निकलने से इनमें कानून का खौफ ख़त्म हो गया था। अवैध तरीके से कमाई का बढ़ता ग्राफ और पुलिस तथा कोर्ट से बचते रहने से भी पीड़ितों में इनके नाम का खौफ बढ़ता गया और ठेला-खोमचा चलाने वाले तोमर बंधु धनबल से राजनेताओं को भी साधने लगे।

तोमर का अकाउंटेंट वेद प्रकाश सिंह उर्फ योगेश सिन्हा गिरफ्तार

तोमर बंधु समेत 37 गैंग मेंबर्स में 25 अंडरग्राउंड

वीरेंद्र सिंह उर्फ़ रूबी और छोटा भाई रोहित तोमर, भतीजा दिव्यांश तोमर के अलावा घर की दो महिला सदस्यों भावना और शुभ्रा तोमर भी पुलिस जांच में नामजद हैं। इनके अलावा एक सहयोगी योगेश समेत तीन अन्य करीबी भी हैं। बता दें कि पुलिस के पास तोमर गैंग के 37 सदस्यों की सूची है जिसमें से 25 अंडरग्राउंड हो गए हैं।

कुछ महीने पूर्व पुलिस ने तोमर बंधु के गैंग मेंबर्स का सिर मुंडवा कर जुलूस निकाला था

यूपी प्रतापगढ़ लास्ट लोकेशन

रायपुर स्थित मकान में पुलिस की रेड के बाद दोनों सूदखोर तोमर बंधुओं की लास्ट लोकेशन उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ में ट्रेस की गई है , जिनकी तलाश में रायपुर क्राइम ब्रांच की टीम निकल चुकी है। वहीँ पुलिस को इनकी पत्नियों की भी तलाश है। बताया जाता है की रोहित तोमर की पत्नी भावना तोमर की माँ के घर में तोमर बंधुओं ने पनाह ले रखी है। वहीँ रायपुर पुलिस इनकी जल्द से जल्द गिरफ्तारी का दावा भी कर रही है।

"डरें नहीं " पुलिस पीड़ितों के साथ - आईजी

मामले की जानकारी देते हुए रायपुर रेंज आईजी अमरेश मिश्रा ने कहा की आम जनता को बिलकुल भी डरने की ज़रूरत नहीं है पुलिस पीड़ितों के साथ खड़ी है। तोमर बंधुओं से प्रताड़ित जितनी भी शिकायतें आएंगी उन सब अपराध दर्ज कर पीड़ितों को न्याय दिलाया जाएगा। रायपुर पुलिस ऐसे गुंडा-बदमाशों के खिलाफ अगर 500 मामले भी दर्ज करना पड़े तो करेगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-4517255, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी।